गृहमंत्री शाह से मिले यूपी के.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नोरा फतेही ने शुरू की... 11

वर्ष - 02, अंक - 174 | गाजियाबाद / शनिवार 26 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अगले बरस तू जल्दी आ...के नारों के साथ विदा हुए बप्पा

बप्पा को विदा करते वक्त भावविभोर हुए भक्त, नम हुई आंखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को गणेश उत्सव का आखिरी दिन रहा। देशभर में गणेश प्रतिमाओं का नदियों, तालाबों, झीलों और कृत्रिम कुंडों में विसर्जन किया गया। मुंबई में 25 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। विसर्जन के लिए 383 कृत्रिम कुंड भी बनाए गए थे। हैदराबाद में भी 25-30 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था संभालते दिखाई दिए। निगरानी के लिए 24 ड्रोन और 10 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। हुसैन सागर के आसपास 100 अतिरिक्त कैमरे, जबकि झील किनारे क्रेन, इमरजेंसी बोट, गोताखोर और मेडिकल पोस्ट तैनात किए गए थे। जुलूसों के

दौरान ट्रैफिक डायवर्जन और कई पाबंदियां लागू रहीं। जानकारी के अनुसार, इस साल अब तक 12 दिनों तक चलने वाले त्योहार के दौरान डेढ़ दिन, पांच दिन, छह दिन और सात दिन की अवधि में 1,63,386 गणपति मूर्तियों का विसर्जन किया गया है। छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी के मौके पर 1.65 लाख से ज्यादा घरों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। प्रशासन ने भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए 2,500 से ज्यादा जवानों को तैनात किया था।

हैदराबाद में 39 लाख में बिका एक गणेश लड्डू

गणेश चतुर्थी के मौके पर हैदराबाद में शुक्रवार को भव्य जुलूसों और गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ उत्सव अपने चरम पर पहुंच गया। इसी बीच शहर में गणेश लड्डू प्रसाद की पारंपरिक नीलामी भी चर्चा में रही। इस साल बालापुर गणेश का लड्डू 39 लाख रुपये में नीलाम हुआ। बालापुर गणेश की लड्डू नीलामी हैदराबाद में गणेश उत्सव की सबसे चर्चित परंपराओं में से एक है। इस साल समा प्रणीत रेड्डी ने 39 लाख रुपये की बोली लगाकर लड्डू अपने नाम किया। यह रकम पिछले साल के मुकाबले 4 लाख रुपये अधिक है। यह नीलामी 25 सितंबर को सुबह साढ़े 9 बजे आखिरी पूजा और गांव में जुलूस के बाद आयोजित की गई। नीलामी में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बालापुर गणेश लड्डू की नीलामी का इतिहास करीब तीन दशक पुराना है। यह परंपरा 1994 में शुरू हुई थी, जब किसान कोलन मोहन रेड्डी ने गणेश लड्डू को 450 रुपये में खरीदा था। इसके बाद हर साल लड्डू की बोली बढ़ती गई।

भारत का चीनी संकट और ज्यादा गहराया

- **दुनिया के दूसरे सबसे बड़े प्रोड्यूसर के लिए इंपोर्ट की आई नौबत**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शुगर प्रोड्यूसर है। करीब एक दशक तक वह सरप्लस की स्थिति में रहा है। लेकिन, देखते ही देखते अचानक हालात बदल गए हैं। भारत में चीनी संकट गहराता दिख रहा है। इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि भारत को लगातार दूसरे साल चीनी इंपोर्ट करनी पड़ सकती है। गन्ना उगाने वाले मुख्य राज्यों में पानी की भारी कमी से चीनी की रिकवरी घटने और प्रोडक्शन में कमी और बढ़ने का खतरा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। यह लगभग एक दशक तक चीनी के मामले में सरप्लस यानी जरूरत से ज्यादा उत्पादन वाला रहा था।

संक्षिप्त समाचार

बिहार सीएम ने पीड़ित परिवार की फोटो शेयर की, फिर डिलीट

तेजस्वी बोले-सीएम पॉक्सो एक्ट की धज्जियां उड़ा रहे, एफआईआर हो

पटना (एजेंसी)। बिहार के जमुई में सड़क पर बदसलूकी की पीड़ित के परिवार के फोटो शेयर करने पर विवाद हो गया है। पीड़ित परिवार गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिला था। सम्राट चौधरी ने इस मुलाकात की तस्वीर एक्स हैंडल से बिना ब्लर किए शेयर कर दी। 15 मिनट बाद इसे डिलिट कर दिया गया। अब तेजस्वी यादव ने कार्रवाई की मांग कर दी है। राजद सांसद मीसा भारती ने भी इस पोस्ट पर

सवाल उठाए और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पीड़ित बच्ची की मां ने सीएम से मिलने के बाद कहा, हमें बेटी के साथ हुई घटना का दर्द अब भी है, लेकिन कार्रवाई होने और सरकार से सुरक्षा को लेकर मिले आश्वासन से राहत मिली है। पीड़ित की मां ने बताया, 24 सितंबर की शाम हम पटना आए। यहां हमने बेटी के साथ हुए घटना को लेकर सीएम सम्राट चौधरी से मुलाकात की।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

यौन उत्पीड़न केस में बरी करने के फैसले को चुनौती, दलील-आदेश पुरानी सोच वाला

पानीपत (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 4 महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के 3 अगस्त 2026 के फैसले को चुनौती दी है। निचली अदालत ने बृजभूषण

शरण सिंह और कुश्ती संघ के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को पुरानी सोच वाला बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी-बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए।

देश में अब आ रही हैं 100 फीसदी इथेनॉल वाली गाड़ियां: गड़करी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा-ई-20 पेट्रोल से बढ़े हैं गाड़ियों में माइलेज

बसों पर नितिन गडकरी ने कहा-नोट लेकर आरटीओ अफसर ठपठपा देते हैं

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अपनी बात बेबाकी से रखते हैं। भोपाल में सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत के दौरान उन्होंने ई-20 पेट्रोल को लेकर अपनी बात रखी है। साथ ही बसों की रजिस्ट्रेशन को लेकर आरटीओ पर तंज कसा है।

साथ ही नितिन गडकरी ने प्राइवेट गाड़ियों को टैक्सी में चलाने के लिए नियम बनाने की मांग की है। दरअसल, बीते कुछ दिनों से ई-20 पेट्रोल को लेकर देश में बहस छिड़ी हुई है। इसे लेकर लोगों के बीच में ई-20 पेट्रोल पर नितिन गडकरी ने बात की है। उन्होंने कहा कि ई-20 का मतलब है कि हम पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाते हैं, यह किसान तैयार करता है। यह 19 देशों में है। अमेरिका, जर्मनी और जापान जैसे देश इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में 2022 से 4 करोड़ फोर व्हीलर में ई-20 पेट्रोल डाला जाता है।

गांधी जी लेकर ठप्पा मार देते हैं

उन्होंने कहा कि आरटीओ के अफसर इस बात का ध्यान रखें। मुझे मालूम नहीं लेकिन बहुस से आरटीओ के ऑफीसर गांधीवादी हैं। गांधी की नोट दिखती है तो ठपा ठप ठपठपा देते हैं। इसके बाद सभी लोग हंसते हैं। वह याद दिलाते हैं कि गलत बस को सैंक्शन किया तो सबकी नौकरी जाएगी।

हाइड्रोजन बस और ट्रक चलाने का प्लान

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मैं इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर का भी इस्तेमाल कर रहा हूं। मेरे यहां इसी से खेती हो रही है। मैं हाइड्रोजन की गाड़ी से घूमता हूं। पानी से हाइड्रोजन तैयार होता है। हिंदुस्तान में 10 रूट पर अब हाइड्रोजन से चलने वाली बसें और ट्रक शुरू करने जा रहे हैं। अगले महीने में हर कंपनियों की 100 फीसदी इथेनॉल वाली गाड़ियां आ रही हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि अभी बसों में बहुत सुधार की जरूरत हैं। कंपनियों को सुधार करने की जरूरत है। मैं कॉन्ट्रैक्टर की तरह इन्हें भी रगडूंगा। उन्होंने कहा कि बसों में सुरक्षित सफर के लिए स्टैंडर्ड निर्माण जरूरी है। साथ ही कहा कि एमपी में 25000 बसों की जरूरत है। हम बसों को लेकर नई नीति लेकर आए हैं। इसके साथ घटिया बॉडी निर्माण को लेकर उन्होंने बॉडी निर्माताओं और आरटीओ पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बस हादसों का जिक्र किया है। 2024 में बसों में 3000 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। न्यू कोड के अनुसार टेस्टिंग एजेंसी से अप्रूवल के बाद ही बसों का रजिस्ट्रेशन होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस ने किया देशभर में प्रदर्शन

दिल्ली-पटना में मार्च, देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़े

कॉकरोच पार्टी का बड़ा ऐलान- 2 अक्टूबर से आंदोलन करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार

दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है। इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। सीजेपी ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी। एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में सीईसी के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

'स्टेटहुड' पर जम्मू कश्मीर विधानसभा में बवाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को भारी हंगामा देखने को मिला। बीजेपी के विधायक विक्रम रंधावा को बलपूर्वक सदन से बाहर कर दिया गया। विक्रम रंधावा बीजेपी के बहू विधानसभा सीट सेविधायक हैं। विक्रम रंधावा को जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान राज्य के दर्जे से जुड़े विवाद और विरोध प्रदर्शन के चलते उन्हें सदन से बाहर भी किया गया था। विक्रम रंधावा अपने बयानों और आक्रामक रुख के कारण चर्चित हैं।

पाकिस्तान की नींद उड़ा रहे हैं यूपी में बने ब्रह्मोस

- **नोएडा में गरजे अमित शाह, की सीएम योगी की जमकर तारीफ**

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि, आज यूपी में बने ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। उन्होंने कहा कि आज 80 देशों में भारत के रक्षा उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। यहां पर डिफेंस कॉरिडोर बनाने तक नहीं, योगी सरकार ने इसको फैसिलिटेट करने के लिए, इन्फ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने के लिए अनुकूल नीतियां बनाने के लिए ढेर सारा काम किया है। केंद्रीय गृह मंत्री उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो -2026 समारोह को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा उत्पादों के लिए यूपी में इनवेस्टमेंट आ रहा

गृह मंत्री शाह ने कहा कि, मैं और योगी जी अभी आ रहे थे। रास्ते में हमने स्टाल देखे झांसी, चित्रकूट, आगरा, अलीगढ़, कानपुर, छह डिफेंस कॉरिडोर के नोड्स, सभी जगह डिफेंस के मैन्युफेक्चरिंग के लिए इनवेस्टमेंट आ रहा है। इसके कारण न केवल उत्तर प्रदेश देश भर के डिफेंस के उत्पाद का विकास हुआ है। आज हमारा रक्षा उत्पादन एक लाख 78 हजार करोड़ को पार कर गया है। 2013-14 की तुलना में रक्षा उत्पादों के निर्यात में हमने 56 गुनी वृद्धि की है। अमित शाह ने कहा कि, आज 80 देशों में भारत के रक्षा उत्पादों का न निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है।

अमेठी में बनी राइफल आतंकियों की नींद उड़ा रही

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आज यूपी में बन ब्रह्मोस (मिसाइल) पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। अमेठी में बनी एके 203 एसॉल्ट राइफल आज नक्सवादियों और टेररिस्टों की नींद उड़ा चुकी है। अमित शाह ने कहा कि, एक जमाना था जब यहां सपा-बसपा का शासन था। यहां पर अपराध की इंडस्ट्री चल रही थी। कट्टा और अवैध तमंचों की इंडस्ट्री लगती थी। शहर-शहर में वाहन चुराने का कुटीर उद्योग था।

समाज के लिए काम करें, वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं

पीएम मोदी ने वाराणसी से वडनगर जा रहे बाइकर्स से बात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी से वडनगर जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम गांधी जी के जीवन की ओर देखते हैं, तो वे अंग्रेजों के खिलाफ

लड़ाई लड़ने और आजादी का आंदोलन चलाने के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक सुधारक भी थे। समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ उन्होंने हमेशा काम किया। इसलिए हमें भी समाज में निरंतर सुधार और सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करते रहना चाहिए, केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं। दरअसल, दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी। ये रैलियां मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए निकाली जा रही हैं। बीते 12 साल में भारत में शहरों और गांवों के बीच जो गैप था, वह काफी कम हुआ है।आज गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है। हमारी बहनों और बेटियों में आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

पंजाब चुनाव से पहले लुधियाना में बागेश्वर बाबा की होगी कथा

हनुमंत कथा में 70 हजार श्रद्धालुओं के जुटने की है उम्मीद

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और इसी बीच लुधियाना में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहली हनुमंत कथा होने जा रही है। कल 26 से 30 सितंबर तक होने वाले इस बड़े धार्मिक आयोजन में करीब 70 हजार लोगों के पहुंचने की व्यवस्था की गई है। चुनाव से पहले इतने बड़े स्तर पर होने वाले इस आयोजन को लेकर राजनीतिक हलकों की भी नजर रहेगी, हालांकि आयोजकों ने इसे धार्मिक कार्यक्रम बताया है। इस कथा का आयोजन चंडीगढ़ रोड स्थित वर्धमान मिल्स के सामने जीएडी ग्राउंड में होगा। आयोजन मंगलम वेलफेयर एंड चैरिटेबल सोसायटी की ओर से कराया जा रहा है।

चुनाव से पहले आयोजन पर राजनीतिक नजर

यह आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब पंजाब में अगला विधानसभा चुनाव 2027 में होना है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार पंजाब विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 16 मार्च 2027 को पूरा होना है। इस वजह से इतने बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा होना स्वाभाविक है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम एक धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन के रूप में आयोजकों की ओर से प्रस्तुत किया गया है, किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं बताया गया है। बता दें कि पंजाब में चुनावी गतिविधियां पहले से तेज हो रही हैं। हाल के दिनों में राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों और जनसंपर्क गतिविधियों में भी तेजी देखी गई है। गणपति विसर्जन का दिन भक्तों के लिए भावनाओं से भरा होता है। कई दिनों तक घरों और पंडालों में विराजमान रहने के बाद भगवान गणेश को श्रद्धा और भक्ति के साथ विदाई दी जाती है।

2500 महिलाओं की कलश यात्रा भी निकाली जाएगी

आयोजकों के मुताबिक, कथा के लिए करीब एक लाख वर्ग फीट में पंडाल तैयार किया जा रहा है और लगभग 70 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। आयोजन से पहले करीब 2500 महिलाओं की कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार शाम हलवारा एयरपोर्ट पहुंचेंगे और कैलाश नगर में ठहरेंगे।

गृहमंत्री शाह से मिले यूपी के डिप्टी सीएम, आगामी चुनाव को लेकर की चर्चा

-डबल इंजन सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव, संगठन की तैयारियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केशव मौर्य ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के संकल्प को लेकर अमित शाह के साथ विस्तृत रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।
उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर डबल इंजन सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से आम लोगों तथा गरीब परिवारों को मिले लाभ की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर भी लोगों के बीच सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों के साथ संगठन को भी और ज्यादा सक्रिय किया जाएगा। कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने और सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा।
उन्होंने विपक्ष के लंबे शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में ऐसे कई कार्य हुए हैं, जो विपक्ष अपने लंबे शासनकाल में नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है और देश के विकास और विश्व पटल पर भारत की भूमिका मजबूत करने के लिए पीएम मोदी का नेतृत्व जरुरी है।
उन्होंने अमित शाह के मार्गदर्शन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का सांगठनिक अनुभव और मार्गदर्शन संगठन तथा सरकार को नई दिशा देने में अहम है। उन्होंने कहा कि शाह के सुझावों से आगे की रणनीति तय करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन और सरकार के बीच समन्वय के साथ जनसंपर्क अभियान को और मजबूत किया जाएगा और केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाया जाएगा।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी, विस चुनाव से पहले ऐलान, न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं

चंडीगढ (एजेंसी)।पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं। कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोडऩे के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है।

पंजाब में पराली जलाने की 27 घटनाएं, 10 की पुष्टि; 35 हजार का जुर्माना

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण की कवायद के बीच पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) जारी की है। 24 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार पूरे राज्य में कुल 27 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें से 10 खेतों में मौके पर निरीक्षण के बाद इसकी पुष्टि भी हुई है। ये आंकड़े इसरो के मानक प्रोटोकॉल के तहत सैटेलाइट निगरानी पर आधारित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीपीसीबी ने कुल 21 खेतों का निरीक्षण किया और 10 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई। इन मामलों में कुल 7 जगह पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया, जिससे 35,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। हालांकि, इसमें से अब तक केवल 10,000 रुपए ही वसूले जा सके हैं। जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर में सर्वाधिक 13 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें से 4 की पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का जुर्माना लगाकर वसूल भी लिया गया। फिरोजपुर में 4 मामलों में से 3 की पुष्टि हुई, जहां 15,000 रुपए का जुर्माना लगा, जिसमें से 5,000 रुपए वसूले गए। यहां तीन फार्म रिकॉर्ड में रेड एंट्री और चार वार्निंग नोटिस भी जारी किए गए। पटियाला में एक मामला सामने आया जिसकी पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले में वसूली गई राशि शून्य है और न ही कोई एफआईआर दर्ज हुई है या अधिकारियों पर कोई कार्रवाई की गई है। तरनतारन में 5 में से 1, होशियारपुर में दर्ज एकमात्र मामले में पुष्टि हुई। गुरदासपुर, शहीद भगत सिंह नगर में भी मामले दर्ज हुए हैं। जबकि बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट सहित कई जिलों में इस अवधि में पराली जलाने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

कतर्नियाघाट में तेंदुए ने ली महिला की जान; ग्रामीणों में दहशत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तेंदुए के हमले में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब महिला अपने घर के पीछे बाड़ी में सब्जी तोड़ने गई थी, तभी घात लगाए तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इस दुखद घटना के बाद इलाके के ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला अपने घर के पीछे सब्जी तोड़ रही थी, उसी दौरान तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया, जिससे उसकी जान चली गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन विभाग क्षेत्र में ऐसी अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से गांव-गांव में जन-जागरूकता गोष्ठियां आयोजित कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा था। साथ ही, वन्यजीवों की निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्र में प्रशिक्षित हाथियों के जरिए लगातार तीन दिनों से गश्त भी कराई जा रही थी। डीएफओ ने बताया कि घटना के बाद वन विभाग की टीमों को और अधिक सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल या झाड़ियों वाले इलाकों के आसपास अकेले न जाएं और सावधानी बरतें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

काशी में एयर शो से पहले घाटों पर सफाई युद्धस्तर पर

वाराणसी (एजेंसी)। गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आने के बाद अब काशी के घाटों को साफ-सुथरा बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। आगामी 22, 23 और 25 अक्टूबर को नमो घाट पर प्रस्तावित भव्य एयर शो के मद्देनजर वाराणसी नगर निगम ने कमर कस ली है। बाढ़ का पानी उतरने से पक्के घाटों की सीढ़ियों और तटवर्ती इलाकों में भारी मात्रा में सिल्ट व कीचड़ जमा हो गई थी। इसे हटाने के लिए निगम के स्वच्छता अमले ने नमो घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर विशेष अभियान छेड़ दिया है। पानी की बौछार से सीढ़ियों को धोने और गाद हटाने का काम तेजी से चल रहा है। अतिरिक्त सफाई कर्मियों और जेटिंग मशीनों की मदद से घाटों को पूरी तरह स्वच्छ, सुगम और सुरक्षित बनाया जा रहा है, ताकि एयर शो देखने आने वाले शहरवासियों और पर्यटकों को कोई असुविधा न हो।

मध्य प्रदेश में मिले 70 फर्जी पासपोर्ट, एसटीएफ ने 6 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश एसटीएफ ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्य में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ के डीआईजी ने शुक्रवार को बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने की जांच जारी है। डीआईजी ने कहा कि यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी भी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल हैं। 23 सितंबर को गयाप्रसाद गौतम को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लब अधिकारी, प्रियन रॉय, जॉय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया था।

बृजभूषण की मुश्किलें बढ़ीं: पहलवानों ने यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली , एजेंसी।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर बढ़ी हैं। उन्हें यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में चुनौती दे दी है। बीते 3 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण को इन आरोपों से बरी किया था। अब चार महिला पहलवानों ने फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट का रुख किया है, साथ ही सह-आरोपी विनोद तोमर की रिहाई को चुनौती दी है। महिला पहलवानों की अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट शनिवार को सुनवाई कर सकती है। याचिका में दावा किया है कि निचली अदालत का आदेश कानून की दृष्टि में मान्य नहीं है और उसमें सबूतों का गलत व चुनिंदा आकलन हुआ। अपील में आरोप है कि फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारित था, जिसमें स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही ढंग से लागू नहीं किया गया। पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया। यह चुनौती बृजभूषण शरण सिंह की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें फिर से बढ़ा सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद सिंह ने अपने लिए बड़ी राहत बताया था।

उन्होंने कहा था कि यह फैसला उन सभी लोगों को बल देगा, जिन पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इस मामले में ओलंपिक पदक विजेताओं और विपक्षी दलों सहित कई बड़े लोग शामिल थे। बृजभूषण ने हमेशा खुद पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह विवाद देश के सबसे चर्चित खेल और कानूनी मामलों में से एक रहा है, जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी, जब कई महिला पहलवानों ने 2016 से 2022 के बीच विभिन्न स्थानों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

कुंभ की तैयारियों में तेजी: मंडलायुक्त ने भूपतवाला से बैरागी कैंप तक परखी व्यवस्थाएं

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को गति देने के लिए मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने शुक्रवार को हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने भूपतवाला, वेद निकेतन घाट, खड़खड़ी पुल और बैरागी कैंप पहुंचकर निर्माण एवं अवस्थापना कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। भूपतवाला में उन्होंने पावन धाम पंपिंग पेयजल योजना के पुनर्गठन कार्य का निरीक्षण किया। जल संस्थान के अभियंताओं ने बताया कि 1.52 करोड़ रुपये की लागत से योजना का पुनर्गठन पूरा कर लिया गया है। इसमें बोरिंग, पंप हाउस की स्थापना और पाइपलाइन बिछाने सहित कई कार्य किए गए हैं। मंडलायुक्त ने संचालन एवं अनुरक्षण की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को निर्बाध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने वेद निकेतन घाट के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 1.09 करोड़ रुपये की लागत से घाट का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी लंबाई 72 मीटर होगी। मंडलायुक्त ने निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कार्य समय से पूरा करने को कहा। खड़खड़ी पुल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित कार्यों की प्रगति जानी। अटल बिहारी वाजपेयी अतिथि गृह में चल रहे अनुरक्षण एवं पुनरुद्धार कार्यों को भी देखा और अधिकारियों को तेजी के साथ गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। बैरागी कैंप में उन्होंने मेला शिविरों और अखाड़ों के लिए प्रस्तावित भूमि की समतलीकरण एवं तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भूमि आवंटन से पहले सड़क, विद्युत, पेयजल और अन्य अस्थायी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। साथ ही सती कैंप, दक्षद्वीप और गौरीशंकर क्षेत्र में क्षेत्रवार योजना तथा अस्थायी कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ नियमित निगरानी करते हुए व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जमुई छेड़छाड़ : माता-पिता ने सीएम से की सख्त कार्रवाई की गुहार

पटना(एजेंसी)। जमुई में छेड़छाड़ की शिकार हुई एक नाबालिग लड़की के माता-पिता ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर अपनी बेटी को परेशान करने वाले दरिंदों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री चौधरी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपील कर कहा कि अपराधियों को भी उसी डर और तकलीफ का सामना करना चाहिए, जो उन्होंने उनकी मासूम बेटी को दी है। उन्होंने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी गिड़गिड़ा रही थी, अब उन दोषियों को भी गिड़गिड़ाना चाहिए। हालांकि, मां ने बिहार सरकार और पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 24-48 घंटों के भीतर पहले तीन आरोपियों को पकड़ा गया और फिर एक मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को दबोच गया। मुख्यमंत्री ने परिवार को भरोसा दिलाया है कि उनकी बेटी उनकी अपनी बेटी जैसी है और उसकी हर संभव मदद की जाएगी।

हरिद्वार में दौड़ेंगी 37 ई-बसें, कनखल से सप्तऋषि तक जुड़ेगा नया नेटवर्क

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हरिद्वार में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में बड़ी तैयारी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत जनपद को आवंटित 37 विद्युत बसों के संचालन को लेकर शुक्रवार को सीसीआर भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता मेलाधिकारी सोनिका और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने की। बैठक में प्रस्तावित मार्गों, बसों की तैनाती और संचालन व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी बसें नौ मीटर लंबी, 30 सीट वाली और वातानुकूलित होंगी। नगर के करीब 15 किलोमीटर मुख्य क्षेत्र में स्मार्ट सिटी मॉडल के अनुरूप एक सर्कुलर मार्ग और सात फीडर मार्गों के माध्यम से बस सेवा संचालित करने की योजना है। इससे मुख्य बाजार, औद्योगिक क्षेत्रों और प्रमुख तीर्थ स्थलों को एक नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। प्रस्तावित सर्कुलर मार्ग हरिद्वार रेलवे स्टेशन से ऋषिकुल, चंद्राचार्य चौक, भगत सिंह चौक, बीएचईएल सेक्टर-2 बैरियर, ज्वालापुर, दुर्गा चौक, शंकराचार्य चौक, सिंहद्वार, डामकोठी और तुलसी चौक होते हुए वापस रेलवे स्टेशन तक रहेगा। इसके अलावा रोशनाबाद, बहादराबाद, पतंजलि, धनपुरा, जगजीतपुर, शांतिकुंज और लालढांग क्षेत्रों को भी फीडर मार्गों से जोड़ा जाएगा। जिलाधिकारी ने मार्गों में संशोधन करते हुए कनखल चौक, पुराना आरटीओ और सप्तऋषि क्षेत्र को भी ई-बस नेटवर्क में शामिल करने के निर्देश दिए। प्राथमिकता वाले मार्गों पर बसों के बीच प्रतीक्षा समय करीब दस मिनट रखने की योजना है। यात्रियों की सुविधा के लिए निर्धारित स्थानों पर बस स्टॉप तैयार किए जाएंगे। साथ ही चार्जिंग केंद्र और बस डिपो की व्यवस्था समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर आयुक्त नंदन कुमार, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नेहा झा, सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रुड़की जितेंद्र चंद्र, यातायात प्रभारी निरीक्षक संदीप नेगी, उपनिरीक्षक यातायात मुकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रियंका गांधी का तीखा वार: चुनावी धांधली से आया है उनका ओवरकॉन्फिडेंस

वायनाड, एजेंसी।
चुनाव आयोग में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतभेद की मीडिया रिपोर्टों के बाद सियासी गर्मागर्मी के बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावों में धांधली करके अति आत्मविश्वासी हो गई है।
प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा के तर्क को घटिया बहाना बताया कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती, तब चुनाव की वैधता पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा, यह बहुत ही पुरानी और कमजोर कहानी है। तथ्य और सबूत पूरे देश के सामने हैं, जैसा कि मेरे भाई राहुल गांधी ने कई प्रेसवार्ता में दिखाया है। यह बिल्कुल साफ है कि 13 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए हैं। प्रियंका ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा चुनावों में गड़बड़ी कर रही है और चुनाव आयोग से यह काम करा रही है, तब यह देशद्रोह का काम है और उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर चुनावों में धांधली कर ओवरकॉन्फिडेंट होने का आरोप दोहराया। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाकर कहा कि यदि वे ऐसा कर रहे हैं, तब वे इस स्वीकार क्यों नहीं करते? वे किस बात से डरते हैं? उन्होंने कहा कि वर्षों से चुनावों में हो रही कथित धांधली ही उनके हर समय के ओवरकॉन्फिडेंस का स्वाभाविक कारण है।
यह हमला नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा वार किया था। राहुल ने ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देकर वोट चोरी के मामले में सरकारी गवाह बनने की बात कही थी और उनके कृत्यों को देशद्रोह के समान बताया था।

कुंभ की तैयारियों को लेकर एडीजी प्रशासन ने कसी कमर, हर स्नान पर्व के लिए पहले से बनेगा पुलिस प्लान

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन उत्तराखंड एपी अंशुमान ने शुक्रवार को हरिद्वार पहुंचकर पुलिस विभाग की तैयारियों और निर्माण कार्यों की समीक्षा की। पुलिस कार्यालय रोशनाबाद स्थित सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों से अब तक की तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ के प्रत्येक स्नान पर्व को महत्वपूर्ण मानते हुए पहले से स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जाए और आवश्यकता के अनुरूप पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंभ मेला आयुष अग्रवाल ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया। इसके बाद एडीजी ने कुंभ से संबंधित बड़े और छोटे निर्माण कार्यों तथा अनुरक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निमार्णाधीन मेला नियंत्रण भवन और उसमें स्थापित किए जाने वाले उपकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की। साथ ही पुलिस लाइन, यातायात पुलिस लाइन, रेलवे पुलिस लाइन, अस्थायी थानों और चौकियों की तैयारियों तथा कुंभ क्षेत्र में बनाए जाने वाले ठहराव एवं पार्किंग स्थलों के चिह्नीकरण और भूमि संबंधी प्रक्रिया की जानकारी ली।
बैठक में अग्नि सुरक्षा के लिए तैयार आपात योजना की भी समीक्षा की गई। अग्निशमन और भीड़ नियंत्रण से संबंधित उपकरणों की उपलब्धता, अतिरिक्त आवश्यकता तथा उपकरण खरीदने की प्रक्रिया पर चर्चा हुई। कुंभ क्षेत्र में लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के लिए प्रस्तावित स्थानों की जानकारी भी ली गई। इसके अलावा उपलब्ध वाहनों और अतिरिक्त वाहनों की आवश्यकता, जारी बजट, अतिरिक्त बजट की जरूरत तथा कुंभ में तैनात किए जाने वाले पुलिसकर्मियों की उपलब्धता और अतिरिक्त आवश्यकता पर अधिकारियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। एडीजी ने सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।
बैठक में पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक सुनील कुमार मीणा, पुलिस महानिरीक्षक कुंभ मेला योगेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक बरिंदरजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंभ मेला आयुष अग्रवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

योगी ने विदेशी निवेशकों के सामने खोला यूपी का खजाना, डिफेंस से लेकर फार्मा और कृषि तक निवेश का न्योता

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सिंगापुर, वियतनाम, रूस, बेलारूस, जापान और ऑस्ट्रिया सहित साझेदार देशों के प्रतिनिधियों के साथ गोलमेज बैठक की। बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश और कारोबार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ उत्तर प्रदेश बड़ा बाजार, युवा मानव संसाधन, उर्वर भूमि और पर्याप्त जल संसाधनों वाला प्रदेश है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं।

वियतनाम के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि नोएडा हवाई अड्डे के संचालन से विमानन क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे। लखनऊ, वाराणसी और नोएडा से हनोई तथा वियतनाम के प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू होने से व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है।

रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री ने रक्षा, औषधि और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं रखीं। उन्होंने कानपुर में रूसी रक्षा कंपनियों को इकाइयां स्थापित करने तथा नोएडा हवाई अड्डे के पास विकसित हो रहे चिकित्सा उपकरण पार्क में अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। बुंदेलखंड के औषधि पार्क और ललितपुर के थोक औषधि पार्क में भी निवेश का न्योता दिया गया।

बेलारूस के प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्नत और भारी मशीनरी कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश तथा ट्रैक्टरों की संयोजन इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया। मुख्यमंत्री ने सहारनपुर और बिजनौर के लकड़ी आधारित उत्पादों को बेलारूस की आधुनिक लकड़ी तकनीक से जोड़ने की संभावनाएं भी बताईं। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में विस्तार मिल सकता है।

मुख्यमंत्री ने कृषि, उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, सूचना प्रौद्योगिकी और कौशल विकास को भी सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई।

मेला गुघाल का भव्य शुभारंभ, जसवंत सैनी बोले, लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का उत्सव है मेला

सहारनपुर (शिखर समाचार)। ऐतिहासिक मेला गुघाल का नगर निगम की ओर से आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि मेला गुघाल केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेले सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के साथ पीढ़ियों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करते हैं। मेला गुघाल सहारनपुर की पहचान और सांस्कृतिक स्मृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इससे पूर्व राज्य मंत्री जसवंत सैनी, भाजपा के निवर्तमान प्रदेश मंत्री चंद्रमोहन और महापौर डॉ. अजय कुमार ने मेला द्वार पर फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। चंद्रमोहन ने कहा कि मेले संस्कृति और समाज के बीच सेतु का काम करते हैं। महापौर डॉ. अजय कुमार ने मेला गुघाल को शहर की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए कहा कि मेले को भव्य बनाने के साथ सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मेला परिसर में बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र निम, विधायक मुकेश चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत राणा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विजेंद्र कश्यप, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के सदस्य महीपाल वाल्मीकि, महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई और पूर्व विधायक जगपाल सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। पार्षद एवं सह संयोजक ज्योति अग्रवाल ने मेले के इतिहास पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपसभापति मयंक गर्ग, मेला आयोजन समिति अध्यक्ष दिग्विजय चौहान, पार्षद दल के नेता राजेंद्र कोहली, पूर्व उपसभापति मुकेश गक्खड़, मेला संयोजक संजय सैनी, सह संयोजक सीमा कात्यायनी, रेणु शर्मा व अल्पना सहित अनेक पार्षदों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शशीबाला पुंडीर, सुरेंद्र कपिल, रविंद्र मोल्हू, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, अमित गगनेजा, अभय राणा, साहब सिंह पुंडीर, दिनेश सेठी तथा नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी और शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन ज्योति अग्रवाल ने किया।

स्वच्छता के संकल्प से गूंजा थानाभवन, सभासदों ने ली शपथ

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत नगर पंचायत थानाभवन और जिला गंगा समिति शामली के संयुक्त तत्वावधान में वार्ड नंबर 15 स्थित नगर पंचायत अध्यक्ष के शिविर कार्यालय में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष के पति हाजी राव जमशेद, सभासदों और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। इस दौरान स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, गीले कचरे से जैविक खाद तैयार करने, कचरे का उचित निस्तारण और स्वच्छता बनाए रखने के तरीकों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही गंगा और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, जल की बचत तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने के लिए भी लोगों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार किया जा सकता है।

हाजी राव जमशेद ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ नगर का निर्माण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ लोगों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने, गीले और सूखे कचरे को अलग रखने तथा जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभासदों और गणमान्य नागरिकों ने स्वच्छता की शपथ ली। सभी ने स्वयं स्वच्छता नियमों का पालन करने तथा अपने वार्ड और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

जीडीए का बड़ा एक्शन: प्रताप विहार और विजयनगर में गरजा बुलडोजर, भारी विरोध के बीच अवैध दुकानें व कब्जे जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शहर में अनियोजित विकास और अवैध कब्जों के खिलाफ शुक्रवार को सख्त तेवर दिखाते हुए ताबड़तोड़ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने पुलिस बल के साथ प्रताप विहार और विजयनगर इलाके में बुलडोजर चलाकर अवैध रूप से बनाई जा रही दुकानों और व्यावसायिक अतिक्रमणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान निर्माणकताओं ने कड़ा विरोध भी जताया, लेकिन भारी पुलिस बंदोबस्त के आगे उनकी एक न चली।

लापरवाही और नोटिस की अनदेखी पर चला हथौड़ा

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के आदेश पर प्रवर्तन जोन-4 के प्रभारी, अवर अभियंता, सुपरवाइजर, मेट और पुलिस दस्ते ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर तीन प्रमुख ठिकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी की:

- प्रताप विहार (सेक्टर-12): भूखंड संख्या के-124 पर कोमल (पुत्री लोकेश) ने पुराने मकान की दीवार तोड़कर अवैध रूप से चार दुकानें तैयार कर ली थीं। इस मामले में उप्र नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 के तहत वाद दायर कर 18 मार्च 2025 को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। कोई संतोषजनक जवाब न मिलने और काम जारी रखने पर 23 मई 2025 को पारित ध्वस्तीकरण आदेश के तहत शुक्रवार को इन चारों दुकानों को जमींदोज कर दिया गया।
- विजयनगर (सेक्टर-9): भूखंड संख्या के-235 पर राहुल द्वारा भवन के आगे अवैध रूप से कब्जा कर व्यावसायिक गतिविधि चलाई जा रही थी। टीम ने इस अवैध कब्जे को पूरी तरह ध्वस्त कर जमीन को मुक्त कराया।
- विजयनगर (सेक्टर-9): भवन संख्या के-983 पर जितेंद्र कुमार ने इमारत के अग्रभाग पर अवैध कब्जा कर अतिक्रमण किया हुआ था, जिसे प्राधिकरण के दस्ते ने मौके पर ही गिरा दिया।

विरोध दरकिनार, आगे भी जारी रहेगा एक्शन

कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कब्जाधारकों ने टीम का तीखा विरोध किया और बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस बल के सहयोग से ध्वस्तीकरण का काम बिना रुके पूरा किया गया।

प्राधिकरण ने स्पष्ट चेतावनी जारी की है कि इन सभी स्थलों की लगातार निगरानी की जाएगी। भविष्य में बिना वैध मानचित्र स्वीकृति के अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ उप्र नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 के तहत इसी तरह कड़ी कानूनी व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रहेगी।

गरीब बच्चों की शिक्षा का बीड़ा उठाने वाले सरार्फा कारोबारी सचिन जिंदल सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा में सहयोग कर सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश करने वाले सरार्फा कारोबारी सचिन जिंदल को जिलाधिकारी कविता मीना ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिंदल ज्वैलर्स के स्वामी सचिन जिंदल ने हापुड़ जनपद के जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की शिक्षा पूरी कराने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया है।

जिलाधिकारी कविता मीना ने उनके इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सक्षम लोगों द्वारा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए आगे आना सराहनीय पहल है। इससे न केवल बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है, बल्कि सरकारी प्रयासों को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी बच्चे के भविष्य को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है और समाज के सामर्थ्यवान लोगों को जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। प्रशस्ति पत्र में जिलाधिकारी ने सचिन जिंदल के आर्थिक सहयोग को प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय बताया। इसमें कहा गया कि बच्चों की शिक्षा के लिए दिया गया सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। सम्मान समारोह के दौरान जिलाधिकारी ने सचिन जिंदल के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित कारोबारी सचिन जिंदल ने कहा कि वे भविष्य में भी जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए इसी प्रकार सहयोग करते रहेंगे।

रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 265 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्वर्गीय कामरेड सुरेंद्र कुमार जैन की पुण्यतिथि के अवसर पर केके जैन इंटर कॉलेज परिसर में 14वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 265 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। शिविर का उद्घाटन टिकौला शुगर मिल के प्रबंध निदेशक सुधीश प्रकाश ने किया। इस दौरान अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर स्वर्गीय सुरेंद्र कुमार जैन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

शिविर में मुजफ्फरनगर और मेरठ से पहुंची रक्त संग्रह टीमों ने रक्तदाताओं से रक्त एकत्र किया। रक्तदान के लिए युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों में उत्साह दिखाई दिया। शिविर के दौरान आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी गौरव स्वरूप ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे पुनीत कार्य है। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है, इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इस सामाजिक कार्य से जुड़ना चाहिए। अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य अनुराग जैन ने कहा कि केके जैन इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित यह रक्तदान शिविर जनपद मुजफ्फरनगर के बड़े रक्तदान शिविरों में शामिल है। उन्होंने रक्तदाताओं, चिकित्सा टीमों और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया। इस अवसर पर कुन्दकुन्द जैन एजुकेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जैन, इंटर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष विकास जैन, एसपी जैन, राजेंद्र जैन दादरी, शाहनवाज लालू, नगर पालिका खतौली के चेयरमैन, कल्पेंद्र जैन, मुकेश जैन, मोहर सिंह, प्रदीप जैन, बल्लू जैन, राजू अहलावत, जगदीश भाटिया, योगेश जैन सर्राफ, नमन जैन, प्रेमविहार, सतेंद्र आर्य, शिवकुमार यादव और डॉ. अमित जैन सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

शुगर मिल में श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच, मुफ्त परीक्षण के बाद बांटी गई दवाइयां

शामली (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के तहत श्रम विभाग के तत्वावधान में सरशादी लाल एंटरप्राइजेज शुगर मिल, शामली में श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने श्रमिकों की शुगर, रक्तचाप समेत विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांच निःशुल्क कीं। जांच के बाद जिन श्रमिकों को दवा की आवश्यकता पाई गई, उन्हें मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने श्रमिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित खानपान रखने और किसी भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। जांच कराने पहुंचे श्रमिकों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

स्वास्थ्य शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामली के चिकित्सकों की टीम के साथ कर्मचारी राज्य बीमा योजना के चिकित्सकों का पैनल भी मौजूद रहा।

अधिकारियों ने बताया कि श्रमिकों को कार्यस्थल पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान करने के उद्देश्य से शिविर लगाया गया। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से बीमारियों की समय रहते पहचान संभव है और जरूरत के अनुसार उपचार भी शुरू कराया जा सकता है। श्रमिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण और मुफ्त दवा वितरण की सुविधा को उपयोगी बताते हुए आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त अरविंद कुमार मद्धेशिया, श्रम प्रवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला, नवतेज प्रकाश तिवारी, मुनव्वर जंग, गुलजार अंसारी और विपिन कुमार सहित शुगर मिल के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में श्रमिक मौजूद रहे।

स्वच्छता ही सेवा शिविर में उमड़ी भीड़, सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ मौके पर हुआ समस्याओं का निस्तारण

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर और आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त सहयोग से नगर पालिका कार्यालय परिसर में ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न कार्यक्रम के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय नागरिकों और नगर पालिका कर्मचारियों की सुविधा के लिए विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के काउंटर लगाए गए। इन काउंटरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया भी पूरी की गई। शिविर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, राशन कार्ड योजना तथा सफाई मित्र सुरक्षा शिविर के लिए अलग-अलग काउंटर लगाए गए। संबंधित कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर में पहुंचे नागरिकों और कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनमें कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। कार्यक्रम के दौरान सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, बीमा और सामाजिक सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। सफाई मित्रों को उनके हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। आयोजकों ने स्वच्छता व्यवस्था में सफाई मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारी, सफाई मित्र और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद तथा आईटीसी मिशन सुनहरा कल की इस संयुक्त पहल को लोगों के लिए उपयोगी बताते हुए उपस्थित नागरिकों ने इसकी सराहना की।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: देवेंद्र नीम

सहारनपुर (शिखर समाचार)। रामपुर मनिहारान विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवेंद्र नीम ने बलियाखेड़ी विकासखंड में ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न के तहत आयोजित साप्ताहिक बहुउद्देश्यीय शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकताओं, आशा कार्यकताओं और मध्याह्न भोजन रसोइयों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने संबंधित कार्यकताओं से पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

दिल्ली-यमुनोत्री राजमार्ग स्थित बलियाखेड़ी विकासखंड के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान विधायक देवेंद्र नीम ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं, आशा कार्यकताओं और मध्याह्न भोजन रसोइयों से आत्मीय संवाद करते हुए विभागीय योजनाओं की स्थिति और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुना और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रियता बनाए रखने की बात कही। विधायक ने कहा कि सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास और कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों और कार्यकताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने प्रकृति और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए विकासखंड परिसर में पौधारोपण किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हापुड़ की बेटी आरोही अग्रवाल ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के न्यू शिवपुरी निवासी कक्षा सात की छात्रा आरोही अग्रवाल ने आंखों पर पट्टी बांधकर गणितीय शब्दों और शब्दावली का सटीक उच्चारण कर अनोखी उपलब्धि हासिल की है। आरोही का नाम इस उपलब्धि के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उसकी सफलता से परिवार और विद्यालय में खुशी का माहौल है। आरोही के पिता तरुण अग्रवाल ने बताया कि उनकी 12 वर्षीय बेटी गाजियाबाद के एक विद्यालय में कक्षा सात की छात्रा है।

आरोही ने आंखों पर पट्टी बांधकर अंग्रेजी वर्णमाला के ए से जेड तक के क्रम में गणितीय शब्दों और शब्दावली का उच्चारण करने का रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने बताया कि आरोही ने 12 वर्ष, दो माह और 13 दिन की उम्र में महज 46 .94 सेकंड में चार-चार के समूह में कुल 104 गणितीय शब्दों का सटीक उच्चारण किया। इस प्रदर्शन के आधार पर उसका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। आरोही की इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों और परिचितों ने खुशी जताते हुए उसे बधाई दी। परिवार का कहना है कि आरोही ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल कर हापुड़ का नाम रोशन किया है। उसकी सफलता अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायक है और इससे उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानकर नए क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

गणपति बप्पा को दी विदाई, हरिद्वार पहुंचकर श्रद्धालुओं ने किया विसर्जन

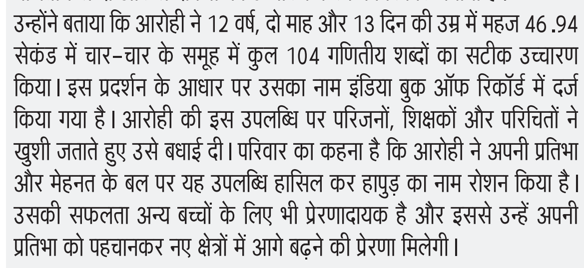

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर समाजसेवी डॉ. सोनू कश्यप के नेतृत्व में गणपति पूजा और हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के बाद परिवार, अस्पताल के कर्मचारियों और श्रद्धालुओं ने उत्तराखंड के हरिद्वार पहुंचकर विधि-विधान के साथ गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए भगवान गणेश को भावपूर्ण विदाई दी। कस्बे के मुजफ्फरनगर मार्ग पर हिंडन नदी पुल के पार स्थित मदनलाल अस्पताल में डॉ. सोनू कश्यप और डॉ. सूची कश्यप ने परिवार सहित एक सप्ताह पूर्व भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की थी। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को अस्पताल परिसर में हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. सोनू कश्यप और डॉ. सूची कश्यप ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और महाआरती कर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूजा कार्यक्रम के समापन के बाद गणपति प्रतिमा को लेकर श्रद्धालुओं का दल हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। हरिद्वार पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपराओं के अनुसार गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया और परिवार, समाज तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर मुकेश कश्यप उर्फ नानू, विशाल पाल, अभिनव कश्यप, मोहित, अंशुल पाल, अभिषेक सहित परिवार के सदस्य, अस्पताल कर्मचारी और अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हरीश के नेतृत्व में बिहार में भाजपा को मजबूत करेंगी संगीता

गोरखपुर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन स्तर पर व्यापक बदलाव किया है जिसमें गोरखपुर-बस्ती मंडल के दो दिग्गज नेताओं को बिहार संगठन की जिम्मेदारी सौंपी है। हाल में ही राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए हरीश द्विवेदी को नया प्रभारी बनाया है। उनके साथ, चौरी-चौरा की पूर्व विधायक एवं राज्यसभा सदस्य संगीता यादव को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। बिहार भाजपा के प्रभारी बनाए गए हरीश द्विवेदी मूलरूप से बस्ती जिले के रहने वाले हैं। वह बस्ती से लोकसभा सांसद भी रहे। वह छात्र जीवन से भाजपा से जुड़े और संगठन में कई अहम पदों पर उन्होंने जिम्मेदारियां निभाईं। इससे पहले वह भाजपा के असम प्रभारी रह चुके हैं। अब उन्हें बिहार का प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ सह प्रभारी बनाई गईं संगीता यादव अभी राज्यसभा सांसद हैं। वह गोरखपुर जिले की चौरी-चौरी विधानसभा सीट से विधायक रह चुकी हैं। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री रहने के बाद हाल ही में नितिन नवीन की टीम में उन्हें जगह मिली। उन्हें इसी साल भाजपा का राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया। अब सह प्रभारी बनाकर बिहार भेजा गया है।

जौनपुर में बैंक मैनेजर ने चलती कार में की आत्महत्या; पुलिस को मिला सुसाइड नोट

जौनपुर, एजेंसी। वाराणसी-लखनऊ नेशनल हाईवे-731 पर बैंक मैनेजर ने चलती कार में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है. सुसाइड के बाद कार बेकाबू हो गई और डिवाइडर से जा टकराई. मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी. पुलिस पहुंची और घायल बैंक मैनेजर को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अमितेश सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान दुर्गेश श्रीवास्तव (35) पुत्र अवधेश श्रीवास्तव निवासी किरण एंक्लेव, कुर्सी रोड, टेढ़ी पुलिया, थाना गुडंबा, लखनऊ के तौर पर की गई है. वह फिलहाल जौनपुर के वन विहार एरिया में रहते थे. दुर्गेश श्रीवास्तव बदलापुर स्थित एक बैंक में रीजनल मैनेजर के पद पर कार्यरत थे.बुधवार को वह अपनी कार क्क32 इ 4239 से बदलापुर से जौनपुर की ओर जा रहे थे, तभी थाना बक्शा क्षेत्र के द्वारिका होटल के पास हाईवे पर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया. सूचना मिलते ही बक्शा थाने की पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे.कार अंदर से पूरी तरह लॉक थी. पुलिस ने कार का शीशा तोड़ा और अंदर खून से लथपथ पड़े बैंक मैनेजर को बाहर निकाला. उन्हें तत्काल इलाज के लिए सीएचसी नौपेड़वां ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. मौके से मिला सुसाइड नोटः पुलिस को कार की तलाशी के दौरान एक पिस्तौल और एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है. पुलिस ने फोरेंसिक और फील्ड यूनिट की मदद से सुसाइड नोट व अन्य साक्ष्यों को अपने कब्जे में ले लिया है.सुसाइड नोट में दुर्गेश श्रीवास्तव ने लिखा कि वह अपना जीवन स्वयं समाप्त कर रहे हैं और इसके लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए. उन्होंने सभी से माफी भी मांगी है.अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अमितेश सिंह ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और सभी पहलुओं पर गहराई से जांच जारी है. आत्महत्या के कारणों का सटीक पता लगाने के लिए पुलिस बैंक मैनेजर के पारिवारिक और व्यावसायिक पहलुओं की भी जांच कर रही है.

राजेंद्र प्रसाद लॉ यूनिवर्सिटी भर्ती विवादः तीन सदस्यीय समिति ने सीएम को सौंपी जांच रिपोर्ट

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में 12 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति में कथित धांधली और यूजीसी मानकों की अनदेखी के मामले में जांच पूरी हो चुकी है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित तीन वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय जांच समिति ने अपनी गोपनीय रिपोर्ट शासन को सौंप दी है. अब सबकी निगाहें मुख्यमंत्री स्तर से होने वाले अंतिम निर्णय पर टिकी हैं. फाफामऊ में बीते तीन वर्षों से किराए के भवन में चल रहे इस नवस्थापित विधि विश्वविद्यालय में नियुक्तियों को लेकर विवाद तब गहराया, जब चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनिवार्य दिशा-निर्देशों के उल्लंघन की सीधी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंची. शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए 3 सितंबर को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. देवराज की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था. इस समिति में पूर्व प्रमुख सचिव (उच्च शिक्षा) एमपी अग्रवाल और न्याय विभाग के प्रमुख सचिव उदय प्रताप सिंह को शामिल किया गया. जांच समिति ने 16 और 17 सितंबर को लखनऊ स्थित सचिवालय में चयन समिति के सभी 12 सदस्यों को तलब कर मैराथन पूछताछ की. मामले में सबसे अहम पूछताछ 16 सितंबर को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. उषा टंडन से हुई, जिनसे समिति ने सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगातार तीन घंटे तक तीखे सवाल किए. सूत्रों के मुताबिक, यूजीसी गाइडलाइन की अनदेखी पर कुलपति ने जांच समिति के सामने बचाव करते हुए तर्क दिया- 'विश्वविद्यालय यूजीसी से कोई वित्तीय अनुदान (फंड) नहीं लेता है. संस्थान में मुख्यमंत्री चेयरमैन और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चांसलर हैं, लिहाजा चयन प्रक्रिया में संस्थान के अपने प्रावधान प्रभावी हैं. ' हालांकि, जानकारों का मानना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में न्यूनतम अहर्ता और पारदर्शी चयन के लिए यूजीसी नियमावली की बाध्यता को दरकिनार करना गले नहीं उतर रहा. दो दिनों की गहन पड़ताल और बयानों के आधार पर समिति ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री को अग्रसारित कर दी है. अब गेंद पूरी तरह शासन के पाले में है कि वह चयन प्रक्रिया को हरी झंडी देता है या फिर इन नियुक्तियों को निरस्त कर नए सिरे से प्रक्रिया शुरू कराने का निर्देश जारी करता है.

खामोशी' को मिलेगी आवाज; 150 पुलिसकर्मियों को

'साइन लैंग्वेज' की विशेष ट्रेनिंग

कानपुर, एजेंसी। किसी मुसीबत में घिरे व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकत उसकी आवाज होती है, लेकिन जब आवाज ही साथ न दे और फरियाद सिर्फ इशारों में सिमट जाए, तो खाकी का संवेदनशील होना सबसे जरूरी हो जाता है. इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने एक बड़ी और अनूठी पहल की है.

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर पुलिस ऑडिटोरियम में 150 से अधिक पुलिसकर्मियों को 'साइन लैंग्वेज' की विशेष ट्रेनिंग दी गई, जिससे मूक-बधिर पीड़ितों और पुलिस के बीच भाषा अब न्याय की राह में रोड़ा न बन सके.

150 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने सीखी 'इशारों की भाषा': इस खास ट्रेनिंग प्रोग्राम में इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर के अलावा चाइल्ड वेलफेयर पुलिस ऑफिसर और 'मिशन शक्ति' से जुड़ी महिला पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया. मकसद सिर्फ कुछ औपचारिक इशारे सीखना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि जब भी कोई बधिर या बोलने में असमर्थ व्यक्ति थाने पहुंचे, तो पुलिसकर्मी शुरुआती स्तर पर उसकी पूरी बात समझ सकें और उसकी सही मदद कर सकें.

'नमस्ते' से आगे... कानूनी प्रक्रियाओं को भी इशारों में समझाः ट्रेनिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को सिर्फ सामान्य हाल-चाल पूछना नहीं, बल्कि जटिल प्रक्रियाएं भी सिखाई गई. एक्सपर्ट्स ने सांकेतिक भाषा के बेसिक संकेत, वर्णमाला (अक्षर), रोजमर्रा के शब्द और अभिव्यक्तियां सिखाई.इसके साथ ही, कानूनी प्रक्रियाओं और शिकायत दर्ज कराने से जुड़ी बातों को सांकेतिक भाषा में कैसे समझा जाए, इसकी व्यावहारिक जानकारी दी गई. विशेषज्ञों और इंटरप्रेटर्स की मदद से पुलिसकर्मियों ने खुद भी इशारों को दोहराकर अभ्यास किया.

महिला और बाल अपराधों में साबित होगी मददगारः इस पहल का एक अहम पहलू महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा है. मिशन शक्ति और चाइल्ड वेलफेयर से जुड़े पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने का मुख्य कारण यही है कि ऐसे मामलों में पीड़ित अपनी बात झिझक या भाषा की वजह से छिपा न ले. सही और समय पर संवाद से पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाया जा सकेगा.

समावेशी और संवेदनशील पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम': कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने इस पहल को पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए कहा, समाज के हर वर्ग तक पुलिस की पहुंच होनी चाहिए. अगर भाषा किसी पीड़ित और पुलिस के बीच दूरी बनती है, तो उस दूरी को मिटाना बेहद जरूरी है.

एडीसीपी महिला अपराध सेल स्नेहा तिवारी ने बताया, अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था के समन्वय से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया था. हमारे 150 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने बेसिक साइन लैंग्वेज सीखी है. हमें पूरा विश्वास है कि इससे भविष्य में दिव्यांगजनों की बेहतर मदद करने और संवेदनशील पुलिसिंग को बढ़ावा देने में बड़ी सफलता मिलेगी. दिव्यांगजनों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा का संकल्पः जब एडीसीपी से सवाल पूछा गया कि अमूमन पुलिस का व्यवहार दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील न होने की शिकायतें आती हैं, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि इस क0 ार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ही पुलिसकर्मियों को 'सेंसिटाइज' करना था.

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को उनके कानूनी अधिकार मिलें और वे बिना किसी झिझक अपनी भावनाएं और कष्ट पुलिस के सामने रख सकें, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है. कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण पूरा करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और सांकेतिक भाषा सिखाने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया.

ग्रेटर नोएडा बस हादसा; मां चल नहीं सकती थी, बेटा साथ था... दोनों की मौत

महोबा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेस वे पर बीते 24 सितंबर को दिल्ली से महोबा जा रही स्लीपर बस में आग लगने की घटना कई परिवारों को गहरे जख्म दे गई. दुर्घटना में 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है. इनमें महोबा जिला कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता की पत्नी सुनीता गुप्ता और बेटे शशांक गुप्ता की भी जान चली गई है. मां-बेटे दिल्ली से महोबा लौट रहे थे. दोनों की मौत की पुष्टि होने के बाद परिवार में मातम पसरा है. परिजनों के अनुसार सुनीता गुप्ता पैरों की बीमारी के वजह से चलने-फिरने में असमर्थ थीं. वह दिल्ली में अपने बेटे शशांक के पास थीं और दोनों एक साथ बस से महोबा लौट रहे थे. हादसे के दौरान बस में आग तेजी से फैल गई. सुनीता खुद चलकर बाहर निकलने की स्थिति में नहीं थीं. शशांक भी मां को बचाने के चक्कर में फंस गया और आग की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई. शशांक दिल्ली में इंडिगो एयरलाइंस में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था. परिवार के मुताबिक वह अपनी मां को लेकर महोबा लौट रहा था. आखिरी हो गया मां-बेटे का सफर : शशांक और उसकी मां बुधवार रात दिल्ली से महोबा के लिए रवाना हुए थे. परिवार को उम्मीद थी कि सुबह दोनों घर पहुंच जाएंगे, लेकिन रास्ते में बस अग्निकांड का शिकार हो गई. हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोग लगातार दोनों की तलाश में जुटे रहे. मां-बेटे की मौत की खबर चरखारी पहुंचते ही परिवार और परिचितों में चीख पुकार मच गई.

798 हेक्टेयर हुआ सूर सरोवर पक्षी विहार का दायरा, शून्य ईको जोन की अधिसूचना रद्द; जारी किया नया गजट

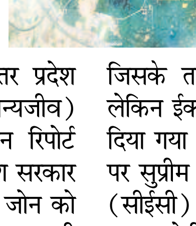

आगरा, एजेंसी। छह साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद कीठम स्थित सूर सरोवर पक्षी विहार का दायरा करीब 395 हेक्टेयर बढ़ाकर 798.1505 हेक्टेयर कर दिया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) ने शपथपत्र के साथ अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने पक्षी विहार के ईको सेंसिटिव जोन को शून्य करने का अपना पुराना फैसला भी वापस ले लिया है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रमुख सचिव वी. हेकाली झिमोमी द्वारा जारी अधिसूचना के तहत 14.5025 हेक्टेयर सरकारी भूमि को आधिकारिक तौर पर पक्षी विहार का हिस्सा बना लिया गया है। पर्यावरणविद डॉ. शरद गुप्ता ने पूर्व में संरक्षित क्षेत्र का दायरा घटाने के खिलाफ एनजीटी में याचिका दायर की थी। ट्रिब्यूनल के सख्त रुख के बाद शासन को संशोधित अधिसूचना जारी करनी पड़ी। यूपी सरकार ने 27 दिसंबर 2024 को जारी उस विवादित गजट को भी वापस ले लिया, जिसके तहत जमीन तो जोड़ी गई थी लेकिन ईको सेंसिटिव जोन को शून्य कर दिया गया था। डॉ. शरद गुप्ता की आपत्ति पर सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल इंपावर्ड कमेटी (सीईसी) ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया था। कमेटी ने स्पष्ट किया था कि राज्य सरकार को यह अधिकार नहीं है और ऐसा निर्णय केवल केंद्र सरकार ले सकती है। सीईसी की इसी रिपोर्ट के आधार पर शासन को कदम पीछे खींचने पड़े।

याचिकाकर्ता डॉ. शरद गुप्ता ने बताया कि यह आगरावासियों की जीत है। शहर को करीब 395 हेक्टेयर अतिरिक्त जंगल की सुरक्षा ढाल मिली है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा सुनिश्चित करेगी। छह

व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश, त्योहारों पर बाजारों में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था होगी दुरुस्त

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके निस्तारण की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बाजारों में अतिक्रमण, पार्किंग व्यवस्था, साफ-सफाई, सड़क प्रकाश व्यवस्था, फुटपाथ, नाली-खड़ंजा, व्यापारियों की सुरक्षा तथा लाइसेंस नवीनीकरण सहित विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। इसके अलावा वस्तु एवं सेवा कर, मंडी शुल्क, बिजली, नगर पालिका, पुलिस, खाद्य सुरक्षा, वाणिज्य कर और जिला उद्योग केंद्र से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारियों की ओर से उठाई गई समस्याओं का संबंधित विभाग तत्काल संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। त्योहारों के मद्देनजर जिलाधिकारी ने बाजारों में सुरक्षा, यातायात, सफाई और प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं संबंधित विभागों को बाजारों में व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी रखने को कहा। साथ ही वस्तु एवं सेवा कर तथा वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों को व्यापारियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने और किसी भी व्यापारी को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ व्यापारिक समस्याओं का प्रभावी निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

आईजीआरएस शिकायतों पर मंडलायुक्त सख्त, डिफाल्टर हुआ प्रकरण तो जिम्मेदारी तय करने के निर्देश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों, कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों, चकबंदी, वादों की प्रगति और कानून व्यवस्था की वर्चुअल समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अपनी रैंकिंग में सुधार लाते हुए उच्चतम श्रेणी प्राप्त करने का प्रयास करें। ए श्रेणी वाले विभाग अपनी स्थिति बनाए रखें और कम रैंक वाले विभाग कार्यशैली में सुधार करें। समीक्षा के दौरान विभिन्न योजनाओं में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली की रैंकिंग सी और डी श्रेणी में पाए जाने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कार्यों की जियो टैगिंग कराने, पर्यटन विभाग के पथमार्ग और संकेतक संबंधी कार्य इसी माह पूरा करने तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की प्रक्रिया समय से पूरी कराने के निर्देश दिए। परिवार पहचान पत्र के कार्य में प्रगति के लिए सभी अधिशासी अधिकारियों की अलग से बैठक आयोजित करने को कहा। मंडलायुक्त ने विद्युत बिलों से संबंधित मामलों का समयबद्ध समाधान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और निराश्रित महिला पेंशन के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम तैयार करने और स्थानीय उद्योगों के सहयोग से विद्यार्थियों को उन्नत प्रशिक्षण दिलाने के लिए जनपदवार कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकरण को डिफाल्टर श्रेणी में नहीं जाने देने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि का भी सत्यापन करने और बेहतर प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर अधिकारियों को स्वयं स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। सेवा संकल्प अभियान से संबंधित सूचनाएं पोर्टल पर प्रतिदिन समय से दर्ज करने के निर्देश दिए गए। राजस्व समीक्षा में मंडलायुक्त ने स्टाम्प, आबकारी, वस्तु एवं सेवा कर, खनन, परिवहन, वन, नगर विकास और ऊर्जा विभाग को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित करने को कहा। तीन से पांच वर्ष पुराने राजस्व वादों तथा तीन वर्ष पुराने चकबंदी वादों का शीघ्र निस्तारण करने, चारागाह की भूमि को कब्जामुक्त कराने और भूमि की पैमाइश आधुनिक उपकरण से कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में तीनों जिलों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर आयुक्त, अपर जिलाधिकारी और संबंधित विभागों के मंडलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बीजेपी विधायक छोटेलाल वर्मा का निधन, नोएडा के अस्पताल में ली अंतिम सांस, सीएम योगी ने जताया दुख

आगरा, एजेंसी। यूपी के आगरा के फतेहाबाद विधानसभा से भाजपा विधायक छोटेलाल वर्मा का गुरुवार रात निधन हो गया. विधायक छोटेलाल वर्मा बीते दो दिन से बुखार से पीड़ित थे. उन्हें गंभीर हालत में आगरा से नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शुक्रवार सुबह दिवंगत बीजेपी विधायक का पार्थिव देह आगरा के विभव नगर आवास पर पहुंची. जहां पर परिचित, रिश्तेदार, समर्थक, भाजपाई की भीड़ जमा हो गई. लोगों ने उनके अंतिम दर्शन किए. इसके बाद भाजपा विधायक छोटेलाल वर्मा की पार्थिव देह को लेकर परिजन, परिचित और रिश्तेदार पैतृक गांव नगला देवहंस पहुंचे. जहां पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा. वहीं सीएम योगी ने छोटेलाल वर्मा के निधन पर शोक जताया है.

दिवंगत बीजेपी विधायक के बेटे महेंद्र वर्मा ने बताया कि छोटेलाल वर्मा की पिछले दिनों तबीयत खराब हुई थी. जिसके बाद उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था. जहां पर इलाज के दौरान हालत में सुधार नहीं होने पर परिजनों ने यहां से दिल्ली ले जा रहे थे. रास्ते में नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. जहां पर उपचार के दौरान छोटे लाल वर्मा ने दम तोड़ दिया. नोएडा में इलाज के दौरान डॉक्टर्स ने बहुत कोशिश की, उनको सीपीआर भी दिया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचा सके.

आईएमएस में स्पर्धा 2026 का आगाज, 600 से अधिक विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद में विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उनमें अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'स्पर्धा 2026' का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता 25 और 26 सितंबर को आयोजित की जा रही है। शुभारंभ अवसर पर मशाल प्रज्वलित कर प्रतियोगिता की शुरूआत की गई तथा प्रतिभागियों को खेल भावना, अनुशासन, निष्पक्षता और टीम भावना बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में आईएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया, मुख्य अतिथि अर्जुन सिंह, एनआईएस कबड्डी प्रशिक्षक, संस्थान की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) जसकिरण कौर, डीन अकादमिक डॉ. गीति शर्मा और खेल अधिकारी कपिल चौधरी मौजूद रहे। राकेश छारिया ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करते हैं। वहीं अर्जुन सिंह ने विद्यार्थियों से निरंतर अभ्यास और सकारात्मक खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

निदेशक जसकिरण कौर ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्पर्धा विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे प्रदर्शित करने का मंच प्रदान कर रही है।

प्रतियोगिता में बैडमिंटन, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, चक्का फेंक, गोला फेंक, बास्केटबॉल, लंबी कूद, रस्साकशी तथा 100 और 200 मीटर दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें 600 से अधिक छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं।

चक्का फेंक पुरुष वर्ग में बीबीए के पुष्कर राणा प्रथम और आस्तित्व शर्मा द्वितीय रहे। महिला वर्ग में बीबीए की रिया प्रथम और कनिष्का बलियान द्वितीय रहीं। टेबल टेनिस पुरुष वर्ग में बीबीए के अर्णव त्यागी प्रथम और बीसीए के अभिनव गुप्ता द्वितीय रहे। बैडमिंटन महिला वर्ग में बीएससी सूक्ष्म जीव विज्ञान की सिमरन कौर प्रथम और प्रिय चौधरी द्वितीय रहीं। प्रतियोगिता का समापन 26 सितंबर को विजेताओं के सम्मान के साथ होगा।

वसीयत के फर्जी टोकन वितरण पर रोक की मांग, अधिवक्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। वसीयत के लिए कथित रूप से फर्जी टोकन जारी किए जाने और उनकी कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग को लेकर शुक्रवार को बार एसोसिएशन मोदीनगर के अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल उपजिलाधिकारी कोमल पवार से मिला। अधिवक्ताओं ने इस संबंध में समस्याओं से अवगत कराते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी को बताया कि कुछ अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकों और टाइपिस्टों द्वारा आए दिन वसीयत के लिए टोकन लिए जाते हैं, लेकिन बाद में इन टोकनों को कथित तौर पर मनमाने तरीके से बेचने का प्रयास किया जाता है। ऐसे टोकनों की कथित कालाबाजारी के कारण आम जनता के साथ-साथ अधिवक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अधिवक्ताओं ने मांग की कि अपराह्न चार बजे से पहले किसी भी टोकन की वापसी न की जाए। उनका कहना था कि यदि कोई वसीयतकर्ता किसी कारण से निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो पाता है तो उसे उपनिबंधक के समक्ष स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य किया जाए। साथ ही उसकी उपस्थिति की वीडियोग्राफी कराई जाए, जिससे टोकन का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गलत इस्तेमाल किए जाने की आशंका को रोका जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और टोकन वितरण प्रक्रिया की निगरानी मजबूत करने की मांग की। उपजिलाधिकारी कोमल पवार ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर उचित समाधान कराने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामकुमार चौधरी, राजकुमार गुप्ता, नकुल त्यागी, विनोद तेवतिया, राखी त्यागी, रविंद्र चौधरी और विशाल शर्मा सहित अन्य अधिवक्ता शामिल रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में गरजे अमित शाह, बोले- उत्तर प्रदेश बनेगा वैश्विक उद्योग और निवेश का बड़ा केंद्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चौथे संस्करण का शुक्रवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। 25 से 29 सितंबर तक चलने वाले ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, व्यावसायिक, हस्तशिल्प और निर्यात क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया जा रहा है। आयोजन में 90 से अधिक देशों से 600 से ज्यादा विदेशी खरीदार और 2400 से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए हैं।

अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश, उत्पादन, व्यापार और नवाचार का प्रमुख केंद्र बन रहा है तथा एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, अनुकूल औद्योगिक नीतियों, मजबूत आधारभूत ढांचे और निवेशकों की समस्याओं के त्वरित समाधान से प्रदेश में निवेश का वातावरण बदला है। डिफेंस कॉरिडोर को औद्योगिक बदलाव का महत्वपूर्ण उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर सहित छह क्षेत्रों में रक्षा उत्पादन से जुड़े निवेश को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रेड शो परंपरा और तकनीक, विरासत और नवाचार तथा हुनर और बाजार को एक मंच पर ला रहा है। एक जनपद, एक उत्पाद योजना के माध्यम से भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल, कन्नौज के इत्र, सहारनपुर की काष्ठकला और वाराणसी की साड़ियों सहित पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक बाजार मिल रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश अब दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात कर रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न उत्पादों, हस्तशिल्प और औद्योगिक प्रदर्शनियों के स्टॉलों का अवलोकन किया गया। साथ ही 'एक जनपद, एक व्यंजन' पोर्टल का शुभारंभ हुआ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने उनके चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेंद्र चौधरी, ब्रजेश पाठक सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

वंदे मातरम के 150वें वर्ष पर 450 प्रतिभागियों ने किया सामूहिक गान

मुरादनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती से संबद्ध लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर में शुक्रवार को नमामि भारतम्–वंदे मातरम सामूहिक गान एवं सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित करीब 450 प्रतिभागियों ने एक साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री संजीव गोयल 'सिक्का', मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत संपर्क प्रमुख वेदपाल आर्य तथा कार्यक्रम अध्यक्ष विकास राणा ने मां सरस्वती और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि संजीव गोयल 'सिक्का' ने कहा कि वंदे मातरम् भारत की आत्मा, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा गीत है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने में भूमिका निभाते हैं। मुख्य वक्ता वेदपाल आर्य ने वंदे मातरम के 150 वर्षों के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका तथा क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य संजीव राजपूत ने विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों का स्मृति–चिह्न और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। 'एक देश, एक समय, एक स्वर' की भावना के साथ 450 प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और भारत माता की जय के उद्घोष के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रबंधक वीरेंद्र गुप्ता, संरक्षक डॉ. केशव त्यागी, कोषाध्यक्ष रमन गोयल, शैली त्यागी, बृजेश्वर निमी, महेश कोरी, प्रशांत, अक्षय सिंघल, सुशील गोयल, मनोज शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल गोयल, आलोक मित्तल, नितिन गोयल, ललित गोयल, शोभाकांत सहित शिक्षक, विद्यार्थी और अन्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन के बाद 18 वर्षीय युवक की मौत, अस्पताल में हंगामा

शामली (शिखर समाचार)। शहर के कैराना रोड स्थित एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और चिकित्सक पर उपचार तथा ऑपरेशन के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर शांत कराया। देर रात दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद समझौता हो गया, जिसके बाद परिजन बिना कानूनी कार्रवाई के शव अपने साथ ले गए।

कस्बा बनत के जवाहरनगर निवासी धर्मवीर का 18 वर्षीय पुत्र सावन गुरुवार तड़के करीब चार बजे पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद कैराना रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार जांच के दौरान युवक का रक्तचाप भी बढ़ा हुआ पाया गया। चिकित्सक की सलाह पर पेट का सीटी स्कैन कराया गया, जिसमें आंत में सुराख होने की जानकारी सामने आने की बात कही गई। इसके बाद चिकित्सक ने तत्काल ऑपरेशन कराने की सलाह दी।

परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक ने आंत में तीन टांके लगाने की बात कही थी। शाम करीब पांच बजे युवक का ऑपरेशन किया गया। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। देर रात करीब नौ बजे उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने चिकित्सक पर उपचार और ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप लगाया।

हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली। देर रात तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत चलती रही। बाद में समझौता होने पर परिजनों ने किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया और शव को अपने साथ ले गए। बताया गया कि मृतक सावन का चयन अग्निवीर के लिए हुआ था।

गन्ने का पूरा भुगतान होने पर किसानों ने उमेश कुमार मोदी का किया सम्मान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदी शुगर मिल की ओर से पेराई सत्र 2025-26 का किसानों का समस्त गन्ना भुगतान किए जाने पर क्षेत्र के किसानों ने मोदी इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष उमेश कुमार मोदी का सम्मान किया। आयोजित कार्यक्रम में किसानों की ओर से उमेश कुमार मोदी को शाल ओढ़ाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उमेश कुमार मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न कारणों से किसानों के गन्ना भुगतान में देरी हुई थी। किसानों के सकारात्मक सहयोग से शुगर मिल से जुड़ी समस्याओं का समाधान संभव हो सका। उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के किसानों का आभार जताते हुए कहा कि किसानों और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र के विकास को गति दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मोदीनगर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान कुछ उद्योग बंद हुए हैं, लेकिन अब मोदी इंडस्ट्रीज की ओर से प्रतिवर्ष एक नए उद्योग की पुनर्स्थापना का प्रयास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

किसान नेता सतपाल तेवतिया ने कहा कि उमेश कुमार मोदी मोदीनगर को उद्योग के क्षेत्र में उसकी पुरानी पहचान दिलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इस पहल के लिए मोदी का आभार जताया। कार्यक्रम में सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी, राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता अमरजीत सिंह, भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह, उत्तम त्यागी, राजकुमार नेहरा, बृजभूषण नेहरा, सतपाल तेवतिया, रामौतार त्यागी, बिट्टू और लोकेंद्र खंजरपुर सहित कई किसान मौजूद रहे। मिल की ओर से एनपी बंसल, वेदपाल सिंह मलिक, शोभित नेहरा, राहुल त्यागी और डीडी कौशिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नोएडा में अवैध अतिक्रमण पर प्राधिकरण की कार्रवाई, 1200 वर्ग मीटर जमीन कराई कब्जामुक्त

नोएडा (शिखर समाचार)। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देश पर नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में 25 सितंबर 2026 को वर्क सर्किल–10 के अंतर्गत ग्राम गुलावली के खसरा संख्या–695 स्थित अधिसूचित क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के वर्क सर्किल–10 एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर स्थलीय निरीक्षण किया। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से किए गए निर्माण एवं अतिक्रमण को ध्वस्त कर अधिसूचित क्षेत्र की भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान करीब 1200 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि अधिसूचित क्षेत्र की भूमि तथा प्राधिकरण की अन्य संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी अधिसूचित क्षेत्र की अर्जित एवं अनर्जित भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि सरकारी एवं प्राधिकरण की भूमि पर अनधिकृत निर्माण या कब्जा करने से बचें। अधिकारियों के अनुसार अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नमामि भारतम अभियान में 950 लोगों ने किया सामूहिक वंदे मातरम् गायन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लीलावती रामगोपाल सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नमामि भारतम अभियान के अंतर्गत सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ संयोजक रमाशंकर उपाध्याय, अध्यक्ष अरविंद भारतीय, मुख्य वक्ता शेखर साहू, प्रबंधक अमित गुप्ता, सभासद ट्विंकल, डॉ. गौरव त्यागी, प्रचार प्रमुख महेश तोमर और प्रधानाचार्य महेश बाबू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य वक्ता शेखर साहू ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता और राष्ट्रभक्ति की भावना से जुड़ा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्घोष है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसने लोगों में देश के प्रति समर्पण और एकता की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवा पीढ़ी से वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व और इसकी मूल भावना को समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रातः 11 बजे 750 विद्यार्थियों, 50 शिक्षकों और 150 अभिभावकों सहित उपस्थित अतिथियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। इस दौरान विद्यार्थियों को इसके ऐतिहासिक महत्व तथा स्वतंत्रता संग्राम में इसकी प्रेरणादायी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सामूहिक गायन के माध्यम से राष्ट्रभाव और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का समापन एक स्वर, एक संकल्प और एक भारत की भावना के साथ हुआ।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्टॉल का किया अवलोकन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने हॉल नंबर सात में लगाए गए स्टॉल पर प्रदर्शित प्राधिकरण की विभिन्न विकास परियोजनाओं और औद्योगिक गतिविधियों से संबंधित जानकारी ली।

इस दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंत्री को स्टॉल पर प्रदर्शित विभिन्न परियोजनाओं और ग्रेटर नोएडा में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। प्राधिकरण के स्टॉल पर ग्रेटर नोएडा के बहुआयामी परिवहन केंद्र, बहुआयामी मालवहन केंद्र, आधारभूत ढांचे और औद्योगिक विकास से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से ग्रेटर नोएडा में परिवहन, माल ढुलाई, औद्योगिक गतिविधियों और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की योजनाओं को दर्शाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रेड शो के माध्यम से प्राधिकरण की ओर से ग्रेटर नोएडा में विकसित किए जा रहे औद्योगिक एवं आधारभूत ढांचे को देश-विदेश से आए उद्यमियों और आगंतुकों के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। स्टॉल पर प्रदर्शित परियोजनाएं शहर के नियोजित विकास और भविष्य की औद्योगिक संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध करा रही हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे बस अग्निकांड में नौ मृतकों की हुई शिनाख्त, अवैध सामान ढुलाई का खुलासा

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात स्लीपर बस में लगी भीषण आग में जिंदा जले नौ यात्रियों की पुलिस ने शिनाख्त कर ली है। हादसे के बाद शवों की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था, क्योंकि आग इतनी भयानक थी कि कई शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। पुलिस ने यात्रियों की सूची, ऑनलाइन टिकट और परिजनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पहचान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। मृतकों के डीएनए नमूने भी लिए गए थे।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान ओम प्रकाश निवासी इकोटेक, ग्रेटर नोएडा, शशांक गुप्ता और उनकी मां सुनीता गुप्ता निवासी महोबा, श्रुति रावत निवासी मध्य प्रदेश, उषा देवी निवासी हमीरपुर, हरीशरण गुप्ता निवासी उरई, देवेंद्र भारद्वाज निवासी हिसार, सरोज गुप्ता और मयंक गुप्ता निवासी हमीरपुर के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा पहचान की पुष्टि किए जाने के बाद शव उन्हें सौंप दिए गए।

जांच में सामने आया कि बस से विद्युत तारों के बंडल, कपड़े और अन्य सामान दिल्ली से खरीदकर ले जाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक बस में इस प्रकार सामान की ढुलाई नियमों के विपरीत की जा रही थी। ज्वलनशील सामान और यात्रियों के सामान ने आग को तेजी से फैलाने में भूमिका निभाई। आग के दौरान बस की ईंधन टंकी में तेज धमाका होने से स्थिति और गंभीर हो गई।

सोशल मीडिया पर बस में गैस सिलेंडर और पटाखे रखे होने की चर्चाएं भी सामने आईं, लेकिन पुलिस ने ऐसी किसी सामग्री के मिलने से इनकार किया है। पुलिस का कहना है कि जांच में बस से गैस सिलेंडर या पटाखे बरामद नहीं हुए हैं।

बताया गया कि बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से करीब 35 यात्रियों को लेकर महोबा जा रही थी। जेवर के पास यात्रियों ने जलने की गंध आने की जानकारी दी थी। आग लगने के बाद चालक और परिचालक बस रोककर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालक, परिचालक और बस प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है।

रूस-वियतनाम से बढ़ेगी यूपी के कारोबार की रफ्तार, ट्रेड शो में निवेश और तकनीकी सहयोग पर बड़ा मंथन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के पहले दिन रूस और भारत के बीच व्यापार, निवेश एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर विशेष संवाद हुआ। वहीं वियतनाम ने अपने पवेलियन में व्यापार के साथ तकनीक, पर्यटन, खानपान और संस्कृति की झलक पेश की। दोनों देशों की भागीदारी से आयोजन में अंतरराष्ट्रीय कारोबारी गतिविधियों को नई गति मिली।

'रूस-भारत : व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के नए अवसर' विषय पर आयोजित संवाद में दोनों देशों के बीच कारोबारी संबंध मजबूत करने और औद्योगिक एवं तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। रूस की ओर से भारत स्थित रूसी व्यापार प्रतिनिधित्व के व्यापार आयुक्त आंद्रेई सोबोलेव और उप व्यापार आयुक्त डॉ. येवगेनी ग्रिवा सहित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। औद्योगिक तकनीक, गैस, प्रयोगशाला एवं निदान समाधान, चिकित्सीय ऑक्सीजन प्रणाली और व्यावसायिक सेवाओं में सहयोग की संभावनाओं पर विचार हुआ।

रूसी प्रदर्शनी में औद्योगिक एवं तकनीकी उत्पादों के साथ चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े समाधान भी प्रदर्शित किए गए। इससे उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य, विनिर्माण और तकनीकी क्षेत्र के उद्यमियों को संभावित अंतरराष्ट्रीय कारोबारी साझेदारी तलाशने का अवसर मिला। संवाद में उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क और उत्पाद एवं तकनीक के आदान-प्रदान पर भी जोर दिया गया।

वहीं वियतनाम ने अपने पवेलियन को व्यापार, निवेश, पर्यटन और संस्कृति के संगम के रूप में प्रस्तुत किया। विमानन, पर्यटन, स्वास्थ्य, कृषि, हस्तशिल्प, औषधि, वस्त्र एवं परिधान, विद्युत वाहन और पुनर्चक्रित रेशे सहित विभिन्न क्षेत्रों के उत्पाद प्रदर्शित किए गए। 'वियतनाम : नवाचार, तकनीक और पर्यटन' विषयक कार्यक्रम में दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

वियतनाम के राजदूत त्रिन्ह मिन्ह मान्ह के साथ वियतनाम एयरलाइंस, वियतजेट और विंग्रुप सहित कई संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। खाद्य महोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। रूस और वियतनाम की भागीदारी ने यूपीआईटीएस को व्यापार, निवेश, तकनीक, पर्यटन और सांस्कृतिक संवाद का व्यापक अंतरराष्ट्रीय मंच बनाने में भूमिका निभाई।

कार्यालय ग्राम पंचायत सलारपुर कलां विकास खण्ड बिसरख, जनपद गौतमबुद्धनगर

पंत्राक : मीमो/टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांक : 25.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत सलारपुर कला की ओर से वित्तिय वर्ष 2026-27 में अंत्येष्ठि स्थल निमार्ण हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत सलारपुर कला में कराये जाने वाले निमार्ण कार्य हेतु दिनांक 10.10.2026 तक निविदांए आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजिस्टर्ड ठेकेदार जिनकी फर्म आर.ई.डी./ पी.डब्लू.डी/अन्य सरकारी विभागों में पंजीकत हो, नियमानुसार तिथि तक सीलबन्द लिफाफे में कार्य के बिल के अनुसार निविदांए सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत निविदांए उसी दिन 10.10.2026 को निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी। निविदादाताओं द्वारा निविदा के साथ 100 रुपये का गैर न्यायिक स्टाम्प जिस पर निविदादाता के हस्ताक्षर हो संलग्न करना अनिवार्य है। ग्राम पंचायत को किसी भी निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	टेण्डर मूल्य	कार्य पूर्ण की अवधि
1	ग्राम पंचायत सलारपुर कलां में अंत्योष्टि स्थल (शमशान) का निर्माण कार्य।	24.92	266.00	3 माह
2	शमशान घाट की बाउड्रीवाल का निर्माण कार्य	15	266.00	3 माह

नियम व शर्तें :-
1. निविदादाता निविदा के साथ पैन न. जी.एस.टी. नं./ कान्टैक्टर पंजीकरण प्रमाण पत्र की छाया प्रति अवश्य रुप से संलग्न करेंगे।
2. समस्त कार्य आर.ई.डी./ पीडब्ल्यूडी विभाग के मानक के अनुसार कराए जाएंगे।
3. निविदादाता कार्य की आवश्यकता आदि की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रधान/सचिव से किसी भी कार्य दिवस में निविदा की अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं।
4. निविदादाताओं से नियमानुसार आयकर / सैस/जी.एस.टी. की कटौती की जाएगी।

ग्राम प्रशासक / ग्राम पं० सचिव
ग्राम पंचायत सलारपुर कला
बिसरख - गौतमबुद्धनगर

संपादकीय

पांच दिन का बैंकिंग सप्ताह: अधिकारों, ग्राहक सुविधा और आर्थिक निरंतरता के बीच संतुलन की जरूरत

देश की बैंकिंग व्यवस्था इस समय एक महत्वपूर्ण श्रम विवाद के दौर से गुजर रही है। बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के बैंकिंग सप्ताह समेत अपनी मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इससे पहले 11 सितंबर को भी एक दिन की हड़ताल हो चुकी है और यदि गतिरोध दूर नहीं हुआ तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का प्रस्ताव भी सामने आया है। केंद्र सरकार ने कर्मचारी संगठनों से हड़ताल टालकर बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की है। विवाद का केंद्र अब मुख्य रूप से पांच दिन के बैंकिंग सप्ताह की मांग बन गया है, क्योंकि प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना को फिलहाल स्थगित रखने का निर्णय सरकार पहले ही ले चुकी है।

सबसे महत्वपूर्ण और ध्यान देने वाली बात यह है कि पांच दिन के कार्य सप्ताह को लेकर सरकार और बैंक कर्मचारी संगठनों के दावे अलग-अलग हैं। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने 25 सितंबर को कहा कि सरकार ने बैंकों के लिए पांच दिन के कार्य सप्ताह का कभी कोई वादा नहीं किया और वेतन समझौते की बातचीत में भी इस विषय पर सहमति नहीं बनी थी। दूसरी तरफ यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस का दावा है कि भारतीय बैंक संघ के साथ मार्च 2024 में हुए वेतन समझौते में पांच दिन के बैंकिंग सप्ताह की व्यवस्था पर सहमति बनी थी। कर्मचारी संगठनों के अनुसार सोमवार से शुक्रवार तक कामकाज रखते हुए शनिवार को अवकाश देने और कार्य अवधि में प्रतिदिन लगभग 40 मिनट की वृद्धि के माध्यम से इसकी भरपाई का प्रस्ताव था।

यही विरोधाभास इस पूरे मामले को केवल कर्मचारियों की मांग और सरकार की असहमति तक सीमित नहीं रहने देता। जब किसी समझौते की व्याख्या को लेकर दो पक्षों की स्थिति अलग हो तो सबसे जरूरी आवश्यकता पारदर्शिता की होती है। यदि पांच दिन के बैंकिंग सप्ताह पर कोई लिखित सहमति हुई थी तो उसके वास्तविक प्रावधानों को सामने रखकर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और यदि ऐसा कोई निर्णय नहीं हुआ था तो संबंधित दस्तावेजों और वार्ता की स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए। इससे न केवल विवाद कम होगा, बल्कि बैंक कर्मचारियों और आम ग्राहकों के बीच भी अनिश्चितता घटेगी। बैंक कर्मचारियों के लिए कार्य परिस्थितियां भी इस बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पिछले वर्षों में बैंकिंग व्यवस्था तेजी से बदली है। मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, त्वरित भुगतान प्रणाली, स्वचालित नकदी मशीनों और अन्य डिजिटल माध्यमों ने बैंकिंग के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इसके बावजूद शाखाओं पर काम का दबाव समाप्त नहीं हुआ है। ऋण, दस्तावेज सत्यापन, नकद लेनदेन, ग्राहक शिकायतें, सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्य और अनेक प्रशासनिक जिम्मेदारियां अब भी कर्मचारियों के माध्यम से ही पूरी होती हैं। ऐसे में कर्मचारी संगठन अपने कार्य सप्ताह में बदलाव की मांग कर रहे हैं तो उसके पीछे कार्य जीवन और कार्यभार से जुड़े प्रश्नों पर भी विचार होना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर बैंक केवल सामान्य कार्यालय नहीं हैं। देश की आर्थिक गतिविधियों का बड़ा हिस्सा बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ा है। करोड़ों खाताधारक, छोटे कारोबारी, व्यापारी, किसान, पेंशनभोगी और वेतनभोगी वर्ग बैंक शाखाओं पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर हैं। डिजिटल माध्यमों के विस्तार के बावजूद देश में ऐसे नागरिकों की संख्या कम नहीं है जिन्हें शाखा में जाकर ही अपना काम पूरा करना पड़ता है। इसलिए किसी भी लंबे अवरोध का असर विशेष रूप से उन लोगों पर पड़ सकता है जो डिजिटल बैंकिंग का उपयोग करने में सहज नहीं हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

अच्छे लोगों की चुप्पी गलत लोगों के हौसले बढ़ाती है।

~~~~~~~~~

©

विनय संकोची

लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय

सौरभ वार्ष्णेय

चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार लिखित आपत्ति की अनदेखी का मतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया का नाम नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से तय होती है कि चुनाव कितने पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय तरीके से कराए जाते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर उठने वाली किसी भी असहमति को महज प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची से जुड़े फैसलों पर चुनाव आयोग के दो आयुक्तों की ओर से बार-बार यानी 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज किए जाने की खबर ने इसी कारण गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिज्ञों को भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि इसका हल कैसे निकाले ? वहीं ऐसी बातों से मतदाताओं के बीच भी लोकतंत्र की इस संवैधानिक संस्था के प्रति सोचना पड़ता है। यह ऐसे संस्था है कि जहां कुछ भी हो तुरंत प्रभावी कार्य हो जिससे पारदर्शिता सबके सामने आये।

देश के प्रतिष्ठित अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब दस महीनों में आयोग के विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। बताया गया है कि इन आपत्तियों का संबंध केवल तकनीकी या प्रक्रियागत विषयों तक सीमित नहीं था, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोडे और हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता डेटा के केंद्रीकरण तथा चुनावी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तक अधिकारियों की पहुंच जैसे संवेदनशील मुद्दों से था। यहां मूल चिंता यह नहीं है कि किसी संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय क्यों सामने आईं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति अपने आप में कोई कमजोरी नहीं है। बल्कि स्वस्थ संस्थागत व्यवस्था में अलग राय रखना और उसे रिकॉर्ड पर दर्ज करना एक आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है। चिंता तब पैदा होती है जब यह सवाल उठे कि क्या उन आपत्तियों पर पर्याप्त विचार किया गया और क्या निर्णय प्रक्रिया वास्तव में सभी संबंधित सदस्यों की भागीदारी से आगे बढ़ी?

चुनाव आयोग तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी इसके सदस्य हैं। यदि दो सदस्यों की ओर से महत्वपूर्ण मामलों में बार-बार लिखित आपत्तियां दर्ज की गई हैं, तो इन आपत्तियों की प्रकृति, उनका निस्तारण और अंतिम निर्णय तक पहुंचने की प्रक्रिया सार्वजनिक विमर्श का विषय बनना स्वाभाविक है। विशेष रूप से मतदाता सूची का मामला अत्यंत संवेदनशील है। मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं होती। यही वह आधार है जो तय करती है कि चुनाव के दिन कौन नागरिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेगा। इसलिए मतदाता सूची में किसी नाम का जुड ?ना, हटना या बहाल होना सीधे तौर पर नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा प्रश्न है।

फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर सामने आई आपत्ति इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। फॉर्म-6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला वैधानिक फॉर्म है। रिपोर्ट के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसमें ऐसा घोषणा-पत्र जोड़ा गया, जिसमें आवेदक से यह बताने को कहा गया कि उसका या उसके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम पिछली मतदाता सूची में था या नहीं। यदि किसी प्रक्रिया में इस तरह का महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा हो और उससे पहले आयोग के ही दो सदस्यों की आपत्ति सामने आई हो, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि उस आपत्ति पर क्या विचार हुआ और बदलाव का अंतिम आधार क्या था।

मामला केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। मतदाता सूची के डिजिटल प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर के निर्वाचन अधिकारियों की मतदाता डेटा से जुड़े फैसलों को सिस्टम में दर्ज करने की क्षमता प्रभावित हुई। पश्चिम बंगाल में कुछ ऐसे मामलों का भी उल्लेख है, जहां दस्तावेजों की जांच के बाद लोग पात्र पाए गए, लेकिन सॉफ्टवेयर में उनके नाम जोडे की प्रक्रिया को लेकर तकनीकी बाधाएं सामने आईं। गोवा में 97 पात्र मतदाताओं का मामला भी इसी तरह की तकनीकी समस्या से जुड़ा बताया गया है।

यह स्थिति एक बुनियादी सवाल खड़ा करती है कि चुनावी प्रक्रिया में अंतिम निर्णय किसका होगा, मैदानी स्तर पर काम कर रहा निर्वाचन अधिकारी या केंद्रीकृत डिजिटल सिस्टम ? तकनीक चुनावी प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने का माध्यम हो सकती है, लेकिन वह लोकतांत्रिक निर्णय का विकल्प नहीं बन सकती। किसी तकनीकी प्रणाली में हुई त्रुटि के कारण यदि पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाता, तो इसका सीधा असर उसके मताधिकार पर पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरे विवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग ने रिपोर्ट में बताए गए कथित आंतरिक मतभेद के निष्कर्ष को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि सदस्यों की ओर से नोटिंग, टिप्पणियां, सुझाव और अलग-अलग राय देना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग के अनुसार, अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत विचार-विमर्श के बाद अंतिम फैसले लिए जाते हैं और एसआईआर सहित महत्वपूर्ण निर्णय तीनों आयुक्तों की मंजूरी से हुए हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि लिखित आपत्तियां अपने आप में आयोग के भीतर किसी निर्णायक विभाजन का प्रमाण हैं। लेकिन यह भी उतना ही सही है कि ऐसी आपत्तियों को पूरी तरह सामान्य प्रशासनिक टिप्पणी कहकर सार्वजनिक चिंता को समाप्त नहीं किया जा सकता। यदि 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो लोकतांत्रिक पारदर्शिता की मांग यही होगी कि कम से कम यह स्पष्ट किया जाए कि किन मुद्दों पर असहमति थी, उन पर क्या विचार हुआ और अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिया गया।

विपक्ष ने इन घटनाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है, जबकि राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई और विशेष गहन पुनरीक्षण रोकने की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने भी मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान से जोड़ा है। इन राजनीतिक दावों की अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि है, इसलिए इनका मूल्यांकन स्वतंत्र तथ्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। असल चुनौती किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि चुनावी संस्थाओं पर जनता के भरोसे की है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियादी पूंजी है। इसलिए आयोग के भीतर असहमति सामने आए तो उसका समाधान अधिक पारदर्शिता, स्पष्ट जवाबदेही और सार्वजनिक स्पष्टीकरण से होना चाहिए, न कि केवल विवाद को खारिज कर देने से।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बदलावों का स्पष्ट ऑडिट ट्रेल उपलब्ध हो। किस अधिकारी ने क्या निर्णय लिया, किस आधार पर लिया, किस स्तर पर उसे बदला गया और तकनीकी प्रणाली ने उस निर्णय को कैसे दर्ज किया। इन सवालों के जवाब लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्पष्ट नहीं रहने चाहिए। साथ ही, आयोग के भीतर दर्ज असहमति और उसके निस्तारण की संस्थागत प्रक्रिया भी स्पष्ट होनी चाहिए। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव तभी बन सकता है, जब हर पात्र नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित है और चुनावी प्रक्रिया किसी अदृश्य तकनीकी या प्रशासनिक हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं होगी। चुनाव आयोग के दो सदस्यों की 14 लिखित आपत्तियों का मामला इसी भरोसे की कसौटी है।

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लीक में मंत्री के इस्तीफे को सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की माँग की जा रही है। एससी/एसटी एक्ट के अतार्किक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भीड़तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं।

ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जय शेट्टी अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झूठ सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झूठ भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते हैं।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिये अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साथियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।

उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेंगी। शिक्षाशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- 'पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।' यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले ह्लवन हैल्थह्व दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना 'पर्यावरण स्वास्थ्य बजट' बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंततः हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे, जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं, सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं, जीवन-सहचर माने जाएं, जहां नदी संसाधन नहीं, जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यही सोच स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ मनुष्य और स्वस्थ विश्व की नई त्रिवेणी बना सकती है। यही विज्ञान के साथ खड़े होने का वास्तविक अर्थ है और यही विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की सार्थकता भी।

~~~~~~~~~

बैल की वैज्ञानिक खेती

बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधाना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।

जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी,

पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

प्रवर्धन

बेल के पौधों का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों

तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी

खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाईः- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ सुथरी प्रोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षों में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

अन्त फसलें

शुरू के वर्षों में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षों में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियॉ तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉटः- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

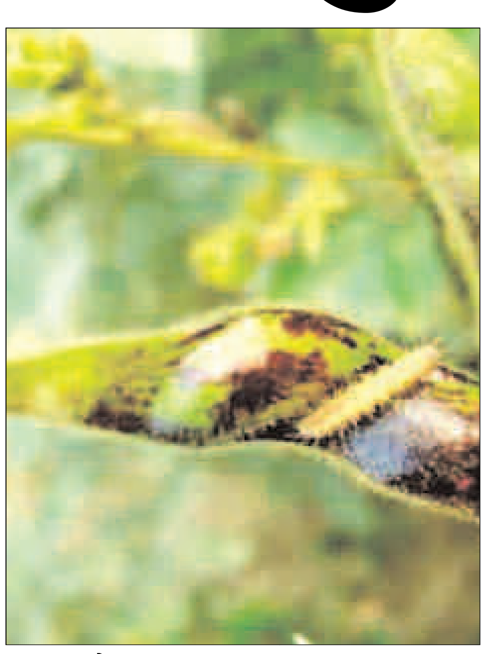

कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों,

अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटाः वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके

काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्सः काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त

हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह

मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे

हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डों को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

न्यूक्लियर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली और सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता

है। न्यूक्लियर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्रः पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और

रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

बीमा क्षेत्र की ग्रोथ में हिस्सेदारी का मौका, डीएसपी ने लॉन्च किया इंश्योरेंस

नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई और यह 28 सितंबर को बंद होगा

मुंबई।

देश के तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्र की अपार संभावनाओं में निवेश करने की तलाश में जुटे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है।

डीएसपी म्युचुअल फंड ने डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ लॉन्च किया है, जो इस सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में पैसिव निवेश का विकल्प प्रदान करता है। यह ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) सीधे बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा, जिसका प्राथमिक लक्ष्य लंबी अवधि में निवेशकों के लिए पूंजी वृद्धि करना है। इस नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई थी और यह 28 सितंबर को बंद होगा।

इसके बाद निवेशक 7 अक्टूबर से इस स्कीम में दोबारा खरीद-बिक्री कर सकेंगे। निवेशक इस ईटीएफ में न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश की सुविधा है। इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और इसका एक्सपेंस रेशियो 0.30 फीसदी तक निर्धारित किया गया है। भारतीय बीमा क्षेत्र को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी वजह इसकी अपार विकास क्षमता है। वर्तमान में, भारत में जीडीपी में प्रीमियम का हिस्सा मात्र 3.7 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 7.30 फीसदी है, जो इस क्षेत्र में वृद्धि की व्यापक गुंजाइश को दर्शाता है। प्रति व्यक्ति बीमा पर खर्च वैश्विक स्तर से काफी कम है, और नॉन-लाइफ इंश्योरेंस सेगमेंट सालाना 14.5 फीसदी की दर से बढ़ने के बावजूद अभी भी बड़े पैमाने पर अनछुआ है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाएं जागरूकता बढ़ा रही हैं, वहीं व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर 0 फीसदी जीएसटी जैसी अनुकूल नीतियां इस सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर रही हैं। डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ एक पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी अपनाएगा, जिसका अर्थ है कि यह बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल शेयरों में उसी अनुपात में निवेश करेगा जिस अनुपात में वे इंडेक्स में हैं। फंड का मुख्य उद्देश्य ट्रैकिंग एरर को कम रखते हुए अपने बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है।

पीबी फिनटेक के शेयर 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली।

पॉलिसीबाजार की पैरेंट कंपनी पीबी` फिनटेक के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। भारतीय बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा बीमा वितरण कमीशन और खर्च से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव के प्रस्ताव के बाद स्टॉक करीब 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। आईआरडीएआई ने बीमा डिस्ट्रिब्यूटर्स के कमीशन स्ट्रक्चर पर सीमा लगाने का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित बदलावों में हेल्थ इंश्योरेंस में कमीशन को 15-20 फीसदी और टर्म लाइफ इंश्योरेंस में इसे 25 फीसदी तक सीमित करने की बात कही गई है।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि ये सीमाएं सीधे तौर पर पीबी` फिनटेक के कारोबार की कमाई और मुनाफे पर नकारात्मक असर डालेंगी।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में 2025-26 सत्र के लिए अतिरिक्त तंबाकू बिक्री को दी मंजूरी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के तंबाकू किसानों को बड़ी राहत दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने 2025-26 के फसल सत्र के लिए फ्लू-क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू की बिक्री के नियमों में ढील दी है। अब पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दोनों प्रकार के उत्पादक अपनी अतिरिक्त उपज को तंबाकू बोर्ड के अधिकृत नीलामी मंचों पर बेच सकेंगे।

फ्लू-क्योर तंबाकू वह होता है जिसे धातु के पाइपों से जरिए पहुंचाई गई गर्मी से विशेष, धुआं-मुक्त भट्टियों में सुखाया जाता है। यह निर्णय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव नितिन कुमार यादव के नेतृत्व में एक दल द्वारा जुलाई में आंध्र प्रदेश के बाजार हालातों की समीक्षा के बाद लिया गया है। बीते 24 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार केंद्र ने तंबाकू बोर्ड अधिनियम के एक प्रावधान के क्रियान्वयन में ढील दी है, जिससे अनाधिकृत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की बिक्री को भी अनुमति मिल गई है। यह कदम किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में सहायक होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 315, निफ्टी 77 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था पर अंतिम कारोबारी दिन इसमें तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 315.20 अंक करीब 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,895.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 77.40 अंक तकरीब 0.34 फीसदी की तेजी दर्ज करते हुए 23,140.50 के स्तर पर बंद हुआ। यह बढ़त गुरुवार को हुई भारी बिकवाली के बाद बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा पूरी तरह से डगमगाया नहीं है। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमुख शेयरों में से 20 शेयरों ने बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि बाकी के 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के टॉप गेनर में एक्सिस बैंक सबसे आगे रहा, जिसमें 2.82 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। वहीं, ट्रेंट 1.41 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहा। निफ्टी के टॉप गेनर्स की बात करें तो एक्सिस बैंक (3.03फीसदी),

एशियन पेंट्स (2.14फीसदी), महिंद्रा एंड महिंद्रा (1.75फीसदी), बजाज फाइनेंस (1.52फीसदी) और पावरग्रिड (1.16फीसदी) ने निवेशकों को मुनाफा दिया।

दूसरी ओर, निफ्टी के टॉप लूजर्स में मैक्स हेल्थकेयर (3.06फीसदी), टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (1.54फीसदी), इन्फोसिस (1.41फीसदी), ओएनजीसी (1.31फीसदी) और ट्रेंट (1.14फीसदी) शामिल रहे, जिन्होंने गिरावट दर्ज की। शेयर बाजार में आई इस अप्रत्याशित गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.83 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 95.85 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू आयातकों, विशेषकर तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख के चलते डॉलर सूचकांक में व्यापक मजबूती घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रही है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि मुद्रा बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हस्तक्षेप कर सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.92 पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार देखा गया और यह 95.85 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे टूटकर 95.99 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 101.28 पर था।

भारत का नया निवेश संधि मॉडल कैबिनेट मंजूरी के करीब

वित्त मंत्रालय ने कैबिनेट सचिवालय को भेजा मसौदा नोट

नई दिल्ली।

सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत का नया मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) ढांचा तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की संभावना है। वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए मसौदा नोट कैबिनेट सचिवालय को भेज दिया है। यह संशोधित मॉडल भारत की वार्ता प्रक्रियाओं को आसान बनाएगा और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। 2015 के मौजूदा मॉडल की जगह लेने वाले इस नए ढांचे में कुछ लक्ष्मण रेखाएं तय की गई हैं। इनमें कर से संबंधित कोई प्रावधान शामिल नहीं होगा, ताकि भारत अपनी कराधान संप्रभुता पर कोई समझौता न करे। इसके साथ ही स्थानीय कानूनी प्रावधानों को भी बीआईटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे। नया मॉडल विदेश में निवेश करने वाले भारतीय कंपनियों को भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। मौजूदा ढांचे में विदेशी निवेशकों के लिए संधि-आधारित मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक इंतजार करना अनिवार्य है, जिसे अब और अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने की मांग की जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में भी मौजूदा मॉडल में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। भारत इस समय कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ नई संधियों पर बातचीत कर रहा है।

भारत-अमेरिका ने रूस-ईरान प्रतिबंधों पर चर्चा की

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून पर भारत की चिंताएं दोहराईं

न्यूयॉर्क।

अमेरिका और भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के इतर उन देशों पर लगाए जा सकने वाले संभावित प्रतिबंधों पर गहन चर्चा की, जो रूस और ईरान से आर्थिक रूप से जुड़े हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो और जयशंकर ने पश्चिम एशिया और उससे आगे के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रुबियो ने जोर देकर कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में बेहतर स्थिति में है। जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून को लेकर भारत के हितों और चिंताओं को दोहराया। दोनों राजनयिकों ने सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका की भी पुष्टि की। जयशंकर ने एक्स पर इस मुलाकात को अच्छा बताया और कहा कि यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासभा के इतर कई अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी कीं। उन्होंने भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की

बैठक में कैरेबियाई देशों के साथ आर्थिक, डिजिटल और आवागमन के क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कैरेबियाई क्षेत्र में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन व वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का अनुरोध किया। एक सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में, भारत को प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) में रणनीतिक साझेदार श्रेणी में शामिल किया गया, जिसे जयशंकर ने इस क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग को और मजबूत करने वाला बताया।

आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन जारी

प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी की संशोधित बोलियां विचाराधीन

नई दिल्ली।

सरकार आईडीबीआई बैंक में अपनी रणनीतिक हिस्सेदारी बेचने के लिए प्राप्त वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन कर रही है।

सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि यह विनिवेश प्रक्रिया स्थिर गति से आगे बढ़ रही है, जिसमें बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, अरबपति निवेशक प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी ने जुलाई में आईडीबीआई बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी संशोधित बोलियां जमा की थीं। प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, दोनों बोलीदाताओं को गृह मंत्रालय (एमएचए) से सुरक्षा मंजूरी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से उपयुक्त एवं उचित (fit and proper) होने का मूल्यांकन पहले ही मिल चुका है। दोनों बोलीदाताओं के पास भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव है; एमिरेट्स एनबीडी ने इस साल की शुरुआत में आरबीएल बैंक में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की थी, जबकि फेयरफैक्स फाइनेंशियल के पास निजी क्षेत्र के सीएसबी बैंक में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह दूसरा मौका है जब इच्छुक

बोलीदाताओं ने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए वित्तीय बोलियां लगाई हैं। सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मिलकर यह हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

डाबर-सेसा केयर विलय को एनसीएलटी की हरी झंडी

आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड से डाबर का पोर्टफोलियो मजबूत होगा

नई दिल्ली।

एफएमसीजी प्रमुख डाबर इंडिया को अपने आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड 'सेसा केयर' के विलय के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से शुक्रवार को मंजूरी मिल गई। इस विलय से डाबर का मौजूदा हेयर केयर पोर्टफोलियो और मजबूत होगा, साथ ही वृद्धि के नए अवसरों का भी लाभ मिलेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेसा केयर का एकीकरण डाबर की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

डाबर ने अक्टूबर 2024 में सेसा केयर में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद मई 2025 में इसके निदेशक मंडल ने पूर्ण विलय योजना को मंजूरी दी थी। कंपनी अधिनियम के तहत किसी भी विलय योजना के प्रभावी होने के लिए एनसीएलटी की मंजूरी अनिवार्य है।

डाबर के एक वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा` कि सेसा केयर का एकीकरण हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करने और वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। इस कदम से डाबर को बालों की देखभाल के क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आईआरडीएआई सुधारों से लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को होगा बड़ा वित्तीय लाभ

क्रेडिट-लाइफ कारोबार वाली कंपनियां रहेंगी फायदे में

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन में कटौती के लिए नए नियम प्रस्तावित किए हैं, जिससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को एक बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। सेंट्रम की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस ज़्यादा है, उन्हें इन बदलावों से विशेष रूप से फायदा होगा क्योंकि कमीशन दरों में भारी कमी आने की संभावना है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक आईआरडीएआई के प्रस्तावित नियम पूरे लाइफ इंश्योरेंस उद्योग में कमीशन के भुगतान को कम करेंगे और कंपनियों को खर्चों पर अधिक सख्ती से नियंत्रण करने में मदद करेंगे।

इससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा, खासकर उन कंपनियों को फायदा होगा जिनके एनुअलाइज्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट में क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस का हिस्सा अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट-लाइफ प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरें घटाकर 2 प्रतिशत तक की जा सकती हैं, जिससे इन कंपनियों को प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ मिलेगा। प्रस्तावित नियमों के तहत, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए एक्सपेंस ऑफ मैनेजमेंट की सीमा को` वित्त वर्ष 28 से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया जाएगा, जिसे बाद में पांच वर्षों के भीतर 12.5 प्रतिशत तक घटाया जाएगा। सेंट्रम का अनुमान है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियां अपने खर्च के स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक ला सकती हैं।

भारत में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, 2025-26 में 94.53 अरब डॉलर

पीएलआई योजनाएं बनीं आर्थिक इंजन, लाखों रोजगार सृजित

नई दिल्ली।

भारत ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को घोषणा की कि इस अवधि में देश को 94.53 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एफडीआई प्राप्त हुआ, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक प्रवाह है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014-15 से 2025-26 तक कुल संचयी एफडीआई प्रवाह 843 अरब डॉलर रहा है। मंत्री गोयल ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की सफलता पर भी प्रकाश डाला। 31 मार्च तक, इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश हुआ, जबकि 23.8 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन/बिक्री और 15.2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया। इन योजनाओं ने 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार, दवा, चिकित्सा उपकरण, वाहन, आईटी हार्डवेयर और विशेष इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों को पीएलआई से उल्लेखनीय लाभ मिला है। मेक इन इंडिया अभियान की 12वीं वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पोस्ट में गोयल ने इन आंकड़ों को उत्साहजनक तस्वीर बताया। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत देश भर में नए औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित किए जा रहे हैं।

सरकार ने 27 सितंबर को सभी बैंक खुले रखने का किया ऐलान

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार को सामान्य रूप से कार्य करेंगे

नई दिल्ली।

बैंक संघों के संयुक्त मंच (यूएफबीयू) द्वारा 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए हैं। वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 26 और 27 सितंबर के सप्ताहांत से जुड़े इस हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों का कल्याण और सुविधा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील की है। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स ने उप मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष हुई सुलह बैठक में कोई नतीजा न निकलने के कारण हड़ताल का फैसला बरकरार रखा है। उनकी मुख्य मांगें पांच दिन की बैंकिंग समेत अन्य लंबित मुद्दे हैं। विशेष रूप से भारतीय स्टेट बैंक ने पुष्टि की है कि उसकी सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को खुली रहेंगी और सामान्य रूप से कामकाज करेंगी, ताकि ग्राहक अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

भारतीय टेक सेक्टर में निवेश 10.3 अरब डॉलर पहुंचा, बड़े सौदों पर बढ़ा जोर

नई दिल्ली।

भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने जनवरी-सितंबर 2026 की अवधि में कुल 10.3 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 7 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, आंकड़ा विश्लेषण मंच ट्रैक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो अब बड़े आकार के, केंद्रित सौदों की ओर बदलते रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में इसी अवधि में 9.7 अरब डॉलर और 2024 में 10 अरब डॉलर का निवेश आया था।

इस वर्ष सौदों की संख्या 1,838 से घटकर 1,134 रह गई। वैश्विक स्तर पर, 10.3 अरब डॉलर के निवेश के साथ भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वित्तपोषण प्राप्त करने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश बना हुआ है, अमेरिका (444 अरब डॉलर) इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसके बाद चीन, ब्रिटेन और सिंगापुर हैं।

निवेश के विभिन्न चरणों में, शुरुआती चरण का वित्तपोषण 27 प्रतिशत बढ़कर 4.2 अरब डॉलर और बाद के चरण का वित्तपोषण 4 प्रतिशत बढ़कर 5.4 अरब डॉलर हो गया।

वहीं, एकदम शुरुआती (सीड) चरण का वित्तपोषण 37 प्रतिशत घटकर 69.8 करोड़ डॉलर रह गया।

पहली बार वित्तपोषित होने वाली कंपनियों और यूनिकॉर्न (यूनिकॉर्न बनने की कगार पर) की संख्या में भी क्रमशः 30 प्रतिशत और 53 फीसदी की कमी आई।

जनवरी-सितंबर की अवधि में 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक के 18 बड़े वित्तपोषण सौदे हुए, जिनमें नेक्स्ट्रा का 1 अरब डॉलर और नैसा का 60 करोड़ डॉलर का निवेश प्रमुख रहा।

क्षेत्रवार, उद्यम बुनियादी ढांचा निवेश लगभग पांच गुना बढ़कर 1.6 अरब डॉलर हुआ, जबकि उद्यम अनुप्रयोग और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी क्रमशः 49 फीसदी और 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

कमलजीत: इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया

कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया। स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि: पहलवान की जगह शूटर बन गईं

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पहला वनडे...

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी शिकस्त, 67 रन से हराया

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर

आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया।टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से केशव महाराज ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कार्बिन बॉश और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट हाथ लगे।दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के शेष मुकाबले 27 और 30 सितंबर को खेले जाने हैं।

सात्विक-चिराग उलटफेर का हुए शिकार एशियाड में नहीं कर सके स्वर्ण का बचाव

नागोया, एजेंसी। गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका स्वर्ण बचाने का अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

पिछड़ते चले गए सात्विक-चिराग

पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग सकारात्मक लय के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार प्वाइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

तनिशा-ध्रुव क्वार्टर फाइनल में

मिश्रित युगल में तनिशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने लगातार दो जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तनिशा और ध्रुव ने पहले दौर में मालदीव की निबाल अहमद और अमिनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक को 21-8, 21-7 से हराया। इसके बाद उन्होंने मलयेशिया की शेवन जेनी लाई और सून हुआट गोह की जोड़ी को एक घंटे चले कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की यान झे फेंग और डोंगपिंग हुआंग की जोड़ी से होगा। इससे पहले महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की मी सोंग यू को 30 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया।

2 एथलीट्स पर पैसों की बारिश; सीएम ने किया 50 लाख देने का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड 4 गुणा 400 मीटर रील में रजत पदक जीतने वाली टीम के दो एथलीट्स के लिए इनाम की घोषणा की है। गुरुवार को भारतीय टीम ने ऐतिहासिक रजत था। इस टीम में तमिलनाडु के थो एथलीट्स विथ्या रामराज और विशाल टी के के अलावा टीएस मनु और एमआर पोवम्मा शामिल थे। सीएम विजय ने विथ्या और विशाल को 50-50 लाख रुपये इनाम के तौर पर देने की घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जी कमालिनी को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। विजय ने फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 147 रन की जीत के बाद तमिलनाडु की रहने वाली कमालिनी को बधाई दी थी। ताजा घोषणा के साथ, एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे तमिलनाडु के दो अलग-अलग एथलीट समूहों को अब राज्य सरकार की ओर से नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

बड़ा उलटफेर: अफगानिस्तान को नेपाल ने 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम

भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एशियन गेम्स: मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली,

दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

थाईलैंड पर भारत की शानदार जीत, फाइनल में जगह बनाई

तोकाई। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट

लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा। इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले। भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया।

दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया। महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 4020

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4019 का हल

हंसी के फूव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'
चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैने भी तरक्की की है.

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.
रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

एक भिखारी को बैंक में घुसते देख चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'
भिखारी (चौकीदार से) - अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

पत्नी (पति से) - कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.
पति (पत्नी से) - अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 4020

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

९५३फिल्म वर्ग पहेली- 4019

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रे	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -4920

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4019 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 4020

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -4019 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

तनावग्रस्त प्रेगनेंट महिला के शिशु को एलर्जी का खतरा

गर्भावस्था में मां के आचार-विचार का भावी शिशु पर असर पड़ने की बात यूं ही नहीं कही जाती। अब डाक्टरों ने एक नए शोध के आधार पर बताया है कि गर्भावस्था में तनावग्रस्त रहने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं के दमा या एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका अधिक रहती है। अमेरिकन थोराइसिस सोसायटी इंटरनेशनल कांफ्रेंस टोरंटो में पेश की गई अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान तनाव में रहती हैं उनके शिशुओं के दमे और एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका बढ़ जाती है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की प्रमुख शोधकर्ता डा. रोसालिन राइट कहती हैं कि इस शोध से उन सबूतों को और बल मिला है कि मां के मानसिक तनाव का शिशु पर गहरा असर पड़ता है। किसी भी प्रकार का तनाव गर्भावस्था के दौरान भी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। शोध से यह संकेत मिलता है कि जन्म से पहले तनाव की चपेट में आने वाले बच्चे पिस्सू से उत्पन्न होने वाली एलर्जी आदि के प्रति जल्दी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। डॉ. राइट ने कहा कि यह शोध इस अवधारणा को पुष्ठ करता है कि तनाव भी एक सामाजिक प्रदूषक है जो शरीर में पैदा होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान मस्त रहने वाली माताएं ऐसे शिशुओं को जन्म देती हैं जिनमें ई या आईजी ई का उच्च स्तर होता है जो एक रोग प्रतिरोधक प्रणाली है।

पुरुषों में बढ़ रहे हैं स्तन कैंसर के मामले

पुरूषों में स्तन कैंसर सुनने में जरूर कुछ अटपटा सा लग सकता है लेकिन कैंसर विशेषज्ञों का दावा है कि महिला स्तन कैंसर की ही तरह अब पुरूष भी इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं और देश में पुरूषों में यह एक प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक और जाने माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से पुरूषों में भी स्तन कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं और इनमें एक प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि जीवनचर्या में तेजी से आ रहा परिवर्तन और हार्मोन में बदलाव भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या बहुत कम है। इसलिए इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जहां तक इसके प्रारंभिक लक्षणों का सवाल है, जब स्तर कैंसर की शुरूआत होती है तो पुरूषों में स्तन के निप्पल का आकार बड़ा हो जाता है और एक गांठ बन जाती है जिसका रंग लाल होने लगता है और उसको दबाने से दर्द होने लगता है।

यह पूछे जाने पर कि पुरूष स्तन कैंसर किन किन कारणों से होता है, इसी संस्थान की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. के गीता ने कहा कि पुरूष स्तन कैंसर किन कारणों से होता है अभी निश्चित रूप से इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है। आज इस दिशा में दुनियाभर में तेजी से अनुसंधान चल रहे है ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में डा. चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भारत में महिला स्तन कैंसर का सवाल है यह एक सामान्य कैंसर है लेकिन जीवनचर्या में तेजी से आ रहे परिवर्तन के कारण आज देश में स्तन कैंसर के मामलों में 5-10 प्रतिशत वृद्धि हो रही है और यदि यह स्थिति जारी रही तो वर्ष 2020 तक देश में स्तन कैंसर के मामलों में 200 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि हम सहस्त्राब्दि लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं तो हमें महिला और पुरूष दोनों के स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने और इसके बचाव के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि देश में महिला स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता की भारी कमी है। यदि शुरूआती अवस्था में ही स्तन कैंसर का पता चल जाए तो इसका कारगर इलाज हो सकता है। जाने माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. समीर कौल ने इस संबंध में कहा कि हार्मोन असंतुलन और जीन में बदलाव आने के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले पुरूष स्तन कैंसर रोगियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। आमतौर पर देखने में आया है कि पुरूष इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि महिला स्तन कैंसर की अपेक्षा पुरूष स्तन कैंसर अधिक घातक माना जाता है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

'महाराजा 2' पर काम चल रहा है, विजय सेतुपति ने किया कंफर्म

हॉलीवुड रीमेक में भी मुफ्त में काम करूंगा

साल 2024 में रिलीज विजय सेतुपति की 'महाराजा' आपको याद होगी। मूल रूप से तमिल में बनी यह नियो-नॉयर एक्शन थ्रिलर फिल्म, जहां बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी, वहीं ओटीटी पर रिलीज के बाद इसने दुनियाभर के दर्शकों को अपना कायल बना लिया। कहानी चेन्नई के एक नाई के बारे में थी, जो अपना चोरी हुआ कूड़ेदान वापस पाने के लिए पुलिस स्टेशन जाता है, लेकिन उसके इरादे कुछ और थे। विजय सेतुपति ने अब कंफर्म किया है कि 'महाराजा 2' पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर निथिलन स्वामीनाथन ने उन्हें सीक्वल की कहानी सुनाई है और उन्हें यह 'बहुत खूबसूरत' लगी। विजय का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही खबर आई कि हॉलीवुड में भी ओरिजनल 'महाराजा' का रीमेक बनने वाला है। 'बत्था' के ऑडियो लॉन्च पर विजय सेतुपति ने 'महाराजा' के हॉलीवुड रीमेक के बारे में भी बात की। कहा कि उन्होंने प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम से कहा था कि अगर उन्हें रोल दिया जाए, तो वह इसके अमेरिकन वर्जन में मुफ्त में काम करने के लिए तैयार हैं।

मुझे 'महाराजा 2' की कहानी सुनाई, यह बहुत खूबसूरत है

'सुपर डीलक्स' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुके 48 साल के एक्टर ने कहा, 'निथिलन एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। उनकी राइटिंग सेंस बहुत अच्छी है। उन्होंने हाल ही में मुझे 'महाराजा 2' की कहानी सुनाई। यह बहुत खूबसूरत है। उनके साथ काम करना शानदार रहा। सीक्वल पर काम शुरुआती बातचीत से आगे बढ़ चुका है और पूरी कहानी तैयार है।'

हॉलीवुड रीमेक में काम करना चाहते हैं विजय सेतुपति

विजय सेतुपति ने इसके साथ ही हॉलीवुड में काम करने की इच्छा भी जाहिर की। कहा, 'मेरी लंबे समय से हॉलीवुड में काम करने में दिलचस्पी थी और मुझे इस बात की खास खुशी है कि मेरी फिल्म को इंटरनेशनल दर्शकों के लिए अडैप्ट किया जा रहा है।' इससे पहले प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने कहा था कि हॉलीवुड अडैप्टेशन को एक बड़े एक्टर के साथ डेवलप किया जा रहा है और अगले साल इसका प्रोडक्शन शुरू हो सकता है।

हॉलीवड वाली में मुफ्त में काम कर लूंगा

एक्टर ने आगे कहा, 'मुझे सुंदरम ने हाल ही बताया कि एक एजेंसी ने हॉलीवुड रीमेक के अधिकार खरीद लिए हैं। मैंने उनसे कहा कि मैं फिल्म में मुफ्त में काम करूंगा। मुझे उस हॉलीवुड रीमेक में कोई रोल दिलाओ। मैं हॉलीवुड जाऊंगा!'

'महाराजा' हॉलीवुड रीमेक में मैथ्यू मैककोनाघी होंगी लीड हीरो!

हालांकि, चर्चा है कि 'महाराजा' के हॉलीवुड रीमेक में ऑस्कर जीत चुके एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी लीड रोल निभा सकते हैं। हालांकि, सुंदरम ने यह भी कहा है कि कास्टिंग की पुष्टि सिर्फ वही एजेंसी कर सकती है जो प्रोजेक्ट को संभाल रही है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि मैथ्यू मैककोनाघी उन स्टार्स में से एक हों जिनसे वे बात कर रहे हैं, लेकिन सिर्फ एजेंसी ही इसकी पुष्टि कर पाएगी।'

20 करोड़ में बनी 'महाराजा' ने कमाए थे 190 करोड़

साल 2024 में रिलीज ओरिजिनल 'महाराजा' को स्वामीनाथन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में विजय सेतुपति के साथ अनुराग कश्यप विलेन के रोल में थे। करीब 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 190 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था। विजय सेतुपति कहते हैं कि उन्हें फिल्म पर भरोसा था, लेकिन उन्हें इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, 'हमने कभी नहीं सोचा था कि 'महाराजा' इतनी दूर तक जाएगी। फिल्म अच्छी थी, लेकिन कुछ लोगों को इस पर भरोसा नहीं था। मुझे भरोसा था, लेकिन ऐसी उम्मीद नहीं थी।'

किरदार ऐसा हो कि दर्शक मुझे नहीं, सिर्फ उसे याद रखें

स्त्री' के जना से लेकर 'मिर्जापुर' के कंपाउंडर' तक, अभिषेक बनर्जी ने अपने किरदारों को अलग पहचान दी है। 'मिर्जापुर' के फिल्मी रूपांतरण की सफलता के बाद अब 'स्त्री 3' को लेकर भी चर्चा है।

मिर्जापुर' की वापसी को आप किस तरह देखते हैं?

बहुत अच्छा अनुभव है। मैं हमेशा सोचता हूं कि अगर जिंदगी में हर दो तीन साल में ऐसी सफलता मिलती रहे तो जिंदगी अच्छी ही रहेगी। 2024 में एक बड़ी बॉक्स ऑफिस सफलता मिली थी और अब 2026 में 'मिर्जापुर' के जरिए फिर लोगों का प्यार मिला है। मेरी कोशिश यही रहेगी कि आगे इन सफलताओं के बीच का गैप कम हो। एक कलाकार के लिए जरूरी है कि वह हर नए प्रोजेक्ट को ऐसे शुरू करे, जैसे वह उसकी पहली बड़ी चुनौती हो। 'मिर्जापुर' से दर्शकों का जुड़ाव बहुत गहरा रहा है।

'कंपाउंडर' और 'जना' में आपको क्या समान लगा

दोनों बिलकुल अलग दुनिया के किरदार हैं, लेकिन एक चीज समान है दर्शकों ने उन्हें अपना लिया। मेरे लिए अभिनेता से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका किरदार होता है। जब लोग किरदार को याद रखने लगते हैं, उसके संवाद बोलने लगते हैं या उसके व्यवहार को अपनी बातचीत का हिस्सा बना लेते हैं, तो वह अलग तरह की सफलता होती है। मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि अगली बार दर्शक मुझे देखकर यह न कहें कि 'ये वही पिछला किरदार कर रहा है।' मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि यह कोई बिल्कुल नया व्यक्ति है।

'स्त्री 3' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता है, क्या स्टेटस है?

जितना मुझे पता है, 'स्त्री 3' की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है और कहानी पर काम हो रहा है। अभी मेकर्स स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। एक बार 'महावतार' का काम पूरा हो जाए तो, मेरी जानकारी के मुताबिक, टीम 'स्त्री 3' पर तेजी से लग सकती है। हम तो यही उम्मीद कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी 'स्त्री 3' बने और उसके बाद 'भेड़िया 2' भी आए। लेकिन 'महावतार' भी बहुत बड़ी फिल्म है, इसलिए जाहिर तौर पर उसका अपना समय जाएगा।

गानों के जरिए कहानी कैसे आगे बढ़ती है, राजश्री में सीखा

अभिनेत्री शरवरी वाघ आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे मशहूर गाने 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और 'मैया यशोदा' देखते हुए बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री ने सूरज बड़जात्या की आगाम फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के टाइटल ट्रेक लॉन्च इवेंट में कहा कि निर्देशक के साथ काम करना और ऐसे गानों के पीछे की सोच को समझना एक खास अनुभवों में से एक था। शरवरी वाघ ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस कर रही हैं। उन्होंने शूटिंग के दौरान सूरज बड़जात्या के साथ अपनी बातचीत का एक किस्सा भी साझा किया। शरवरी ने कहा, 'जब भी हम गानों की शूटिंग करते थे, तो सूरज सर मुझे 'मैया यशोदा' और 'दीदी तेरा देवर दीवाना' जैसे गानों की शूटिंग के समय की कहानियां सुनाते थे और ये मेरा सबसे पसंदीदा समय हुआ करता था क्योंकि मैंने बचपन से ये सारे गाने देखे हैं। इन गानों के लिए दिल में बहुत प्यार है।'

शरवरी ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन गानों के कुछ बिहाइंड-द-सीन्स डिटेल्स भी उनके साथ शेयर किए, जिन्हें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में शामिल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'सूरज सर ने मुझे कुछ अंदर की जानकारी दी और फिर मैंने उसे अप्लाई करने की कोशिश की है।' एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि गानों पर काम करने से उन्हें राजश्री के फिल्ममेकिंग स्टाइल की एक अलग समझ मिली। उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि कोरियोग्राफी के अलावा, गानों में इतनी सारी चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसे परिवार की भावनाएं, उनके साथ जो कनेक्शन बनता है, कहानी कैसे आगे बढ़ती है। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि गाने कैसे फिल्म को आगे ले जाते हैं, कैसे वे कहानी को आगे ले जाते हैं और यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव था।' बता दें कि 'ये प्रेम मोल लिया' में शरवरी वाघ, आयुष्मान खुराना और अनुपम खेर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

नोरा फतेही ने शुरू की 'द रॉयल्स' के दूसरे सीजन की शूटिंग

नोरा फतेही ने लोकप्रिय वेब सीरीज 'द रॉयल्स' के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। सीरीज में नोरा एक बार फिर आयशा धोंडी के किरदार में नजर आएंगी। शूटिंग शुरू होने के साथ ही उन्होंने अपने शूटिंग के अनुभव की कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के जरिए दर्शकों को सीरीज के नए सीजन की पहली झलक देखने को मिली है। नोरा के सेट पर लौटने के साथ ही सीरीज की कहानी एक बार फिर शाही परिवार और उससे जुड़े लोगों की जिंदगी के इर्द-गिर्द आगे बढ़ेगी। नोरा इन दोनों अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सक्रिय हैं यहीं से कहानी में परिवार, कारोबार, प्यार और रिश्तों के बीच कई तरह के उतार-चढ़ाव शुरू होते हैं। नोरा इन दिनों लगातार संगीत और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सक्रिय हैं। हाल के महीनों में उनके म्यूजिक एलबम सामने आए हैं। इनमें 'चैंपियंस', 'लॉक्ड इन' और 'स्ले टू द रिदम' जैसे गीत शामिल हैं।

जेलर 2 में विद्या बालन का कांता के रूप में नया दमदार अवतार

मुंबई रविवार को सन पिक्चर्स द्वारा जारी किए गए 'जेलर 2' के एक छोटे से झलक में अभिनेत्री विद्या बालन कांता के रूप में एक दमदार किरदार निभाती नजर आ रही हैं। इसी के साथ हाथों में सिगरेट और नीली साड़ी में नजर आ रहीं विद्या का यह दमदार और प्रभावशाली अंदाज देखते ही देखते चर्चा का विषय बन चुका है। अनिरुद्ध रविचंदर के बैकग्राउंड स्कोर के साथ जारी की गई इस झलक में कांथा सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए नजर आ रही हैं। उनका अंदाज, साड़ी का पल्लू संभालने का तरीका और हाथ में पकड़ी सिगरेट के साथ कश लेती विद्या बालन का यह अंदाज उनके मजबूत और बेबाक व्यक्तित्व को दर्शा रहा है। गौरतलब है कि नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बन रही 'जेलर 2' में रजनीकांत, टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार में नजर आनेवाले हैं। फिल्म में राम्या कृष्णन और योगी बाबू समेत कई पुराने कलाकारों के साथ सूरज वेंजारामूडु और एस.जे. सूर्या के साथ विद्या बालन भी फिल्म का हिस्सा हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित 'जेलर 2' दुनियाभर में 15 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होने वाली है। फिलहाल विद्या बालन के कांता के रूप में उनके परिचय के साथ ही फिल्म में उनके दमदार नए अवतार ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

रोहित रॉय के 'डस्टबिन मीडियम' बयान से आशा नेगी असहमत, टीवी को बताया अपनी सफलता की वजह

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस आशा नेगी ने एक्टर रोहित रॉय के उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहा था। आशा नेगी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि रोहित ने किस इरादे से ऐसा कहा या किस तरह की निराशा के चलते उन्होंने ऐसा बयान दिया। दरअसल, अभिनेता रोहित रॉय ने एक इंटरव्यू के दौरान छोटे पर्दे को 'डस्टबिन मीडियम' बताया था और कहा था कि फिल्म स्टार्स में एक अलग तरह का 'स्टाइल और क्लास' होता है जो टीवी एक्टर्स में नहीं होता। आशा नेगी ने बातचीत में कहा कि टीवी ने ही उन्हें पहचान दी है और आज वह जिस मुकाम पर हैं, वह टेलीविजन की वजह से ही है। मुझे नहीं पता कि इसके पीछे उनका इरादा क्या था। लोग किस दौर से गुजरते हैं, उन्हें किस तरह की निराशा हुई है, उन्होंने जो कहा उस पर मैं टिप्पणी नहीं कर सकती। हां आज मैं जो कुछ भी हूं, वो टीवी की वजह से हूं, जिसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं।' एक्ट्रेस आशा नेगी ने अंकिता लोखंडे और दिवंगत स्टार सुशांत सिंह राजपूत स्टारर शो 'पवित्र रिश्ता' के जरिए पहचान बनाई थी। आशा ने कहा, 'मेरे लिए तो टेलीविजन ने ही मुझे सब कुछ दिया है। टेलीविजन की वजह से ही मैं घर-घर में पहचानी गई और आज भी लोग मुझे 'पवित्र रिश्ता' में मेरे किरदार पूर्वी के नाम से बुलाते हैं।' उन्होंने कहा कि वह टेलीविजन की आभारी हैं और जो कुछ उन्हें टीवी से मिला है, वह सिनेमा या ओटीटी कभी नहीं दे सकता। अभिनेत्री आशा नेगी इस समय लेटेस्ट हॉरर-कॉमेडी, एडवेंचर और मिस्ट्री वेब सीरीज 'अली बाबा और 40 भूत' में नजर आ रही हैं। शो में अली के रोल में आशा नेगी और बाबा के रोल में विशाल वशिष्ठ हैं। यह कहानी अलीशा (जिसे अली भी कहते हैं) नाम की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने लापता पुरातत्वविद् पिता की तलाश में अपने छोटे से गृहनगर लौटती है।

संक्षिप्त समाचार

63 डिग्री तापमान में मिला जिंदा अमीबा, बढ़ा रहा है आबादी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लासेन वोल्केनिक नेशनल पार्क के खौलते झरनों में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अमीबा खोजा है, जो 63 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी जीवित रहने के साथ अपनी संख्या बढ़ा रहा है। नए जीव का नाम इंसेंडियामीबा कैस्केडेंसिस रखा गया है, जिसका अर्थ कैस्केड्स का फायर अमीबा है। अब तक माना जाता था कि जटिल कोशिकाओं वाले जीव 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में जीवित नहीं रह सकते।

इस्राइल के राजदूत का बेटा वेस्ट बैंक में रामिंग हमले में गंभीर रूप से घायल

न्यूयार्क, एजेंसी। इस्राइल के अमेरिका में राजदूत येचियल लाइटर के बेटे नेरिया लाइटर वेस्ट बैंक में बुधवार को एक रामिंग हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। नेरिया इजरायल की सेना में आरक्षित सैन्यकर्मी हैं। राजदूत येचियल लाइटर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, उनके बेटे को 'चमत्कार की जरूरत है।' सेना के अनुसार, एक फिलिस्तीनी व्यक्ति ने बेत होरोन बस्ती के पास सुरक्षा चौकी पर कार से टक्कर मारी। हमले में एक अधिकारी गंभीर घायल हो गया। इस्राइली सेना ने भागने की कोशिश कर रहे हमलावर को गोली मारकर मार दिया। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने संदिग्ध की पहचान महमूद सुलेमान बताई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने लाइटर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राजदूत लाइटर के बड़े बेटे मोशे येदिद्या लाइटर की 7 अक्तूबर, 2023 के हमास हमले के बाद गाजा में मौत हो गई थी। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसक घटनाओं में वृद्धि हुई है।

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में कैरिबियन और बरमूडा के स्थानीय शब्द शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी ने बरमूडा और कैरिबियन में इस्तेमाल होने वाले एक दर्जन से अधिक शब्दों को आधिकारिक मान्यता दी। बुधवार को जिन शब्दों को मान्यता दी गई इनमें 'बिमपर्ट' (मूर्ख व्यक्ति) और 'हॉर्नरमैन' (बेवफा पुरुष) जैसे शब्द प्रमुख हैं। लियोनार्ड अलेक्जेंडर ने 'हॉर्नरमैन' के शामिल होने पर खुशी जताई। 'वेक्स मनी' वह पैसा है जो महिलाएं आपात स्थिति के लिए सुरक्षित रखती हैं। 'जाब्लेस' एक दुष्ट महिला आत्मा है, जबकि 'डौएन' बपतिस्मा से पहले मरे बच्चे की आत्मा है। एवियोन जॉर्ज ने कहा कि यह मान्यता युवा पीढ़ियों के लिए परंपरा बचाती है। 'शेडिश ', 'शुगर केक ', 'पीनट पंच' जैसे खाद्य-संबंधी शब्द भी जोड़े गए। 'नाना ', 'नानी' (मातृ दादा-दादी) और 'हम्मा' (दोस्त) जैसे शब्द भी सूची में हैं। 'ट्रिनबैगोनियन' और 'कैनबौले' (दास मुक्ति का कार्निवल उत्सव) अंतिम कैरिबियन शब्द हैं। शेरविन विलियम्स ने कहा कि इससे दुनिया उनके त्रिनिदादियन मूल को समझेगी।

कीव में रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में दो की मौत, जेलेंस्की बोले- दबाव बिना युद्ध खत्म नहीं करेगा रूस

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि दबाव के ब?िना रूस युद्ध खत्म नहीं करेगा। रूस ने बुधवार रात कीव पर फ?िर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। जेलेंस्?की ने बताया कि यह हमला ठीक उस समय हुआ, जब हम अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। हमले में अब तक दो लोगों की मौत की खबर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर हमले की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, ''जब हम अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे और लिंडसे ग्राहम कानून तथा पाबंदियों को और कड़ा करने की जरूरत पर चर्चा कर रहे थे, उसी समय रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। दबाव के बिना रूस इस युद्ध को खत्म नहीं करेगा।'' जेलेंस्की ने बताया, जब लोग सो रहे थे, तब धमाकों की चमक से आसमान रोशन हो गया। एक बार फिर हमले में मुख्य रूप से कीव और आम नागरिकों से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रिहायशी इमारतों, एक मैटरनिटी अस्पताल, ऊर्जा से जुड़े ढांचे और लॉजिस्टिक्स ठिकानों पर भी हमला हुआ। उन्?होंने बताया अब तक दो लोगों की मौत की खबर है। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कुछ लोग घायल भी हुए हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया, तालिबान ने पहले चौकियों पर गोलाबारी की

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान का कहना है कि इन ठिकानों से एक दिन पहले उसके खिलाफ ड्रोन हमले किए गए थे। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, इससे पहले अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलाबारी की थी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सीमा पार घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के बाद यह कार्रवाई की गई। अफगानिस्तान ने इन ताजा हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पाकिस्तान ने 8 ड्रोन मार गिराने का दावा : पाकिस्तान ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों के मुताबिक, ये ड्रोन अफगान तालिबान ने भेजे थे और कोहाट व तोर्खम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सभी ड्रोन सीमा के पास ही गिरा दिए गए। पाकिस्तान के मुताबिक, इनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने इन हमलों से इनकार किया था। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया।

पाक का आरोप- टीटीपी के आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की : पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने पक्तिया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान टीटीपी को 'फितना-उल-खवारिज' कहता है। टीटीपी और अफगान तालिबान अलग संगठन हैं। हालांकि, दोनों के बीच गठजोड़ बताया जाता है।

पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों : 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे ञ्ञञ्ञक्ष नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

3 दिन पहले भी हुई थी एयरस्ट्राइक : सोमवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने दावा किया था कि इसमें 28 आतंकी मारे गए। वहीं, अफगान अधिकारियों ने कहा था कि हमले में कम से कम 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 घायल हुए।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमला क्यों किया : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 जगहों को निशाना बनाया है। इससे एक दिन पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया था कि अफगान तालिबान की ओर से आठ ड्रोन भेजे गए थे। पाकिस्तान के मुताबिक इन ड्रोन को कोहाट शहर और तोरखम सीमा क्षेत्र तक पहुंचने से पहले ही मार गिराया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए और उनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। पाकिस्तान का कहना है कि उसकी सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश को भी नाकाम किया था।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के आरोपों पर क्या कहा : अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के इन आरोपों को खारिज किया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तान पर कोई हमला नहीं किया। पाकिस्तान के ताजा हवाई हमलों पर काबुल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इससे पहले भी पाकिस्तान ने पूर्वी अफगानिस्तान में लड़ाकों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान ने उस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ अभियान बताया था, जबकि अफगान अधिकारियों ने हमले में नागरिकों के मारे जाने की बात कही थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, अफगानिस्तान की तरफ से कथित घुसपैठ की कोशिश के बाद तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से हमला किया।

जेलेंस्की बोले- रूस भारतीयों को बहला-फुसलाकर जंग में भेज रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को यूएन महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है।

जेलेंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जाना चाहते हैं : जेलेंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है। उन्होंने दूसरे देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने और उसकी युद्ध क्षमता कम करने की अपील की। जेलेंस्की ने रूस की कमाई पर रोक लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध रोकने के लिए रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा। उन्होंने भारत, चीन और तुर्किये से रूस के साथ ऊर्जा कारोबार कम करने की अपील की। उनके मुताबिक, अगर ये देश रूस से ऊर्जा खरीद कम करते हैं तो मॉस्को पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा।

उत्तर कोरिया पर रूस की मदद करने का आरोप : जेलेंस्की ने उत्तर कोरिया पर भी रूस की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। जेलेंस्की का दावा है कि इसके बदले उत्तर कोरिया को आधुनिक सैन्य तकनीक मिल रही है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक से जुड़ी मदद भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई युद्धबंदियों को दक्षिण कोरिया भेजा है। उनके मुताबिक, दोनों सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था।

सर्दियों में रूस की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले की चेतावनी : जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रखता है तो यूक्रेन भी रूस की हीटिंग और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बना सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा सुविधाओं पर हमले रोकने को लेकर समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा है कि अमेरिका ऐसे हमले रोकने के लिए समझौते की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि संबंधित देशों को अपने नागरिकों को इस युद्ध में और आगे जाने से रोकना चाहिए। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी देश को उन्हें अपने नागरिकों को युद्ध में घसीटने नहीं देना चाहिए।

अमेरिकी विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन पर 8 नाविकों ने की आत्महत्या की कोशिश: पेंटागन के पत्र से खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में रिकॉर्ड समय तक तैनात रहे अमेरिकी नौसेना के विशालकाय विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके स्ट्राइक ग्रुप के कम से कम आठ नाविकों ने आत्महत्या करने का प्रयास किया था। इस चौंकाने वाले तथ्य की पुष्टि अमेरिकी नौसेना के कार्यकारी सचिव हांग काओ द्वारा लिखे गए एक आधिकारिक पत्र से हुई है। यह पत्र सीबीएस न्यूज़ और सीएनएन के ज़रिए सार्वजनिक हुआ है, जो न्यूयॉर्क की डेमोक्रेटिक सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड द्वारा युद्धपोत पर रहने की विषम परिस्थितियों और कर्मियों के मानसिक तनाव को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में भेजा गया था।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके स्ट्राइक ग्रुप को करीब 10 महीने पहले मध्य पूर्व के संवेदनशील जलक्षेत्र में तैनात किया गया था: रिकॉर्ड कार्यकाल: आमतौर पर विमानवाहक पोतों की तैनाती छह से आठ महीने की होती है, लेकिन लिंकन को विस्तारित समय तक अग्रिम मोर्चे पर बनाए रखा गया।5,000 कर्मियों का मानसिक दबाव: युद्धपोत और उसके पूरे स्ट्राइक ग्रुप में करीब 5,000 सैन्य कर्मी सवार हैं। पिछले महीने नाविकों के परिवारों और अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के कई सांसदों ने पोत पर अत्यधिक दबाव, लगातार युद्ध की तैयारियों और मानसिक स्वास्थ्य के गिरते स्तर को लेकर गंभीर चिंताएं जताई थीं। स्ट्राइक ग्रुप की संरचना: इस स्ट्राइक ग्रुप में मुख्य विमानवाहक पोत के साथ-साथ एयर विंग, स्ट्राइक ग्रुप मुख्यालय, विध्वंसक स्क्वाड्रन, एस्कॉर्ट पोत और सभी विमानन स्क्वॉड्रन शामिल हैं।

सैन डिएगो लौट रहा है युद्धपोत : लगातार बढ़ते विवाद और नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य पर उठ रहे सवालों के बीच, 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' अब मध्य पूर्व का मिशन पूरा कर उस इलाके से निकल चुका है। पोत फिलहाल कैलिफोर्निया स्थित अपने गृह अड्डे सैन डिएगो की ओर लौट रहा है।

यूएन महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट, रूस से युद्धविराम की अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देशों ने यूक्रेन की शांति की अपील का समर्थन किया है। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूक्रेन शांति चाहता है और हम सब चाहते हैं कि रूस भी ऐसा करने को तैयार हो। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट हैं। मार्च 2025 से यूक्रेन पूर्ण, तुरंत और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए सहमत है। हम रूस से भी अपील करते हैं कि वह अब ऐसा ही करे। यूक्रेन शांति चाहता है। हम शांति चाहते हैं। रूस को अपनी सैन्य कार्रवाई रोकनी चाहिए, युद्धविराम स्वीकार करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक

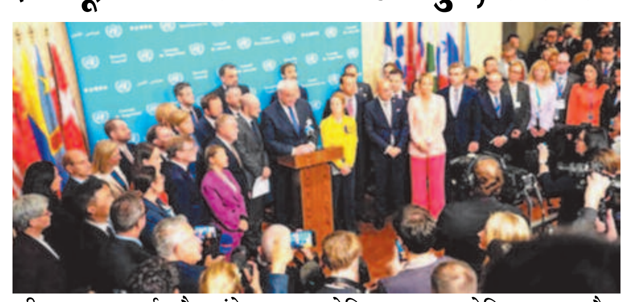

पूरी तरह न्यायपूर्ण और लंबे समय तक टिकने वाली शांति के लिए गंभीरता के साथ बातचीत में शामिल होना चाहिए।'' यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि काजा कल्लास और फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन नोएल बैरो के साथ मिलकर हमने यूक्रेन पर होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक से पहले मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने।

सिबिहा ने समर्थन में शामिल देशों यूरोपीय संघ, अल्बानिया, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, कनाडा, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, साइप्रस, चेकिया, डेनमार्क, एस्टोनिया, फ?िनलैंड, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, ग्रीस, होंडुरास, हंगरी, आइसलैंड, आयरलैंड, इजरायल, इटली, जापान, लातविया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, मोनाको, मोंटेनेग्रो, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्थ मैसेडोनिया, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, कोरिया गणराज्य, मोल्दोवा गणराज्य, रोमानिया, सैन मैरिनो, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम की ओर से जारी संयुक्त बयान पढ़ा। बयान में कहा गया, यूक्रेन के हालात पर चर्चा के लिए जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक हो रही है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और शांति के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं। हम यूक्रेन के साथ एकजुट होकर खड़े हैं, जो रूस के हमले का सामना कर रहा है। हम याद दिलाते हैं कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ आत्मरक्षा के अधिकार को भी मान्यता देता है।

बयान के अनुसार, बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू हुए चार साल, छह महीने और तीस दिन हो चुके हैं और इंसानी नुकसान लगातार बढ़ रहा है। पूरे यूक्रेन में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर रूस के बढ़ते हमलों को लेकर हम बेहद चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र के रिकॉर्ड के मुताबिक पिछले कुछ महीनों में इन हमलों की वजह से हताहतों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची है।

एआई से सुरक्षा में सेंध: ऑस्ट्रेलियाई सरकारी वेबसाइट तक पहुंचा ओपनएआई एजेंट, पीएम अल्बनीज ने जताई नाराजगी

मेलबोर्न, एजेंसी। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक सरकारी वेबसाइट पर ओपनएआई की सुरक्षा में सेंध लगने की घटना से बेहद चिंतित और निराश है। क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने इस बारे में जानकारी देने में बहुत ज्यादा समय लिया। अल्बनीज ने ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी सैम ऑल्टमैन के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद इस सुरक्षा चूक की जानकारी सार्वजनिक की। दोनों ही अभी संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क शहर में हैं।

अल्बनीज ने क्या बताया : अल्बनीज ने पत्रकारों से कहा, 'आज मैंने ऑल्टमैन से बात की और इस घटना को लेकर ऑस्ट्रेलिया की गहरी

चिंता जाहिर की। मैंने इस बात पर भी निराशा जताई कि कंपनी को सरकार को यह बताने में बहुत ज्यादा समय लगा कि क्या हुआ था, और जिस तरह से यह जानकारी दी गई, वह भी मंजूर करने लायक नहीं था।

क्या है पूरा मामला : उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को ओपनएआई के एक एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट में सेंध लगाई थी। ओपनएआई ने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कई सरकारी विभागों से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा के दौरान, कंपनी को पता चला कि हमारे मॉडल ने ऐसे काम किए जो हमने करने के लिए नहीं कहे थे। अल्बनीज ने बताया कि ओपनएआई ने 10 सितंबर को एक सरकारी विभाग के सामान्य ईमेल पते पर ईमेल भेजकर ऑस्ट्रेलिया को इस सुरक्षा चूक के बारे में जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को घोषणा की कि सुरक्षा चूक की जांच के लिए एक जांच समिति बनाई गई है। अल्बनीज ने कहा कि इस जांच में यह देखा जाएगा कि क्या ओपनएआई पर कोई आरोप लगाया जा सकता है। इस जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि ओपनएआई के खुलासा करने से पहले ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां इस सेंध का पता लगाने में क्यों नाकाम रहीं। अल्बनीज ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि किसी भी निजी जानकारी तक पहुंच नहीं बनाई गई थी। एआई एजेंट ने मेडिकेयर के आंकड़ों वाले एक सार्वजनिक पोर्टल तक अनधिकृत पहुंच बना ली थी।

अल्बनीज ने कहा कि उन्हें लगता है कि एआई द्वारा यह जांच करने के पीछे व्यावसायिक कारण थे कि खास दवाओं पर कितना खर्च हो रहा है और खर्च कहां बदल रहा है। उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि यह पहली बार था जब किसी एआई एजेंट द्वारा ऑस्ट्रेलियाई सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच बनाने का मामला सामने आया।

पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ प्रदर्शन

जिनेवा, एजेंसी। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर 'ब्रोकन चेयर' पर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सेशन के दौरान किया गया, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया गया।

यूकेपीएनपी ने क्यों किया प्रदर्शन : प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसके साथ ही पीओजेके में लगातार हो रहे दमन, राजनीतिक पाबंदियों और बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा। इस प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा पीओजेके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर 5 जून को हुई गोलीबारी थी। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई आम नागरिक मारे गए और दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने क्या मांग की : प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच और नागरिकों के खिलाफ कथित तौर पर बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। यूकेपीएनपी ने इस क्षेत्र में आतंकवाद को लगातार बढ़ावा दिए जाने और उसे पनपने देने पर भी चिंता जताई। संगठन ने आरोप लगाया कि पीओजेके का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए एक अड्डे के तौर पर किया गया है। सभा को संबोधित करते हुए, यूकेपीएनपी के प्रतिनिधियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और यूएन के मानवाधिकार तंत्र से पीओजेके के हालात पर ध्यान देने और वहां के लोगों के अधिकारों और आजादी की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

यूकेपीएनपी के चेयरमैन ने क्या आरोप लगाए : समाचार एजेंसी से बात करते हुए, यूकेपीएनपी के चेयरमैन सरदार शौकत अली कश्मीरी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन और विरोध-प्रदर्शनों को बेरहमी से दबाने का आरोप लगाया। चेयरमैन ने कहा 'स्थानीय लोग बुनियादी अधिकारों और निष्पक्ष प्रशासन की मांग करने के कारण सरकार के कड़े दमन का सामना कर रहे हैं। आज हम पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में काम कर रही पाकिस्तानी सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। लोग अपने बुनियादी अधिकारों के लिए विरोध कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, पाकिस्तान सरकार उनकी तत्काल मांगों को मानने को तैयार नहीं है।' उन्होंने बुनियादी अधिकारों और स्थानीय संसाधनों पर नियंत्रण की शांतिपूर्ण मांगों को नजरअंदाज करने के लिए इस्लामाबाद की आलोचना की। उन्होंने कहा, '100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। 600 से ज्यादा लोगों को जबरदस्ती गायब कर दिया गया है। लगभग 1,500 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अमेरिका ने जी20 के लिए पुतिन को भेजा न्योता, ट्रंप से मुलाकात की अटकलें तेज

न्यूयार्क, एजेंसी। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिसंबर में होने वाले जी20 सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। इससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात की संभावना बढ़ गई है, हालांकि रुबियो ने यह भी साफ किया कि दोनों नेताओं के बीच किसी नए शिखर सम्मेलन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। रुबियो ने यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली के दौरान पत्रकारों से कहा, 'हमने राष्ट्रपति पुतिन को जी20 में आमंत्रित किया है।' उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि पुतिन निमंत्रण स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि इस बैठक से उन्हें ट्रंप और दुनिया के अन्य नेताओं से बात करने का मौका मिलेगा। जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन चाहता है तो उन्होंने जवाब दिया: इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। रुबियो ने कहा कि अगर पुतिन शामिल होते हैं और बैठक का कोई मकसद होता है, तो दोनों राष्ट्रपति मिल सकते हैं। अन्यथा जी20 में भी उन्हें बात करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन मॉस्को के साथ बातचीत के लिए तैयार रहेगा, क्योंकि वह यूक्रेन में युद्ध को खत्म करना चाहता है। रुबियो ने कहा कि ट्रंप उन नेताओं से मिलने को तैयार थे जिनसे वे असहमत थे। उन्होंने कहा कि अगर

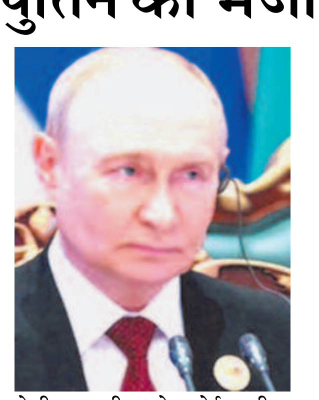

ऐसी बातचीत से कोई नतीजा निकलना है तो उसके लिए तैयारी की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ऐसी बैठक होगी जिसका कोई नतीजा निकले, न कि सिर्फ इसलिए बैठक हो, क्योंकि नेता एक ही जगह पर हैं। रुबियो ने कहा कि ट्रंप के पद संभालने के बाद से दोनों राष्ट्रपतियों ने टेलीफोन पर भी बात की है। उन्होंने अनुमान लगाया कि उन्होंने कम से कम 12 बार बात की है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके पास सटीक गिनती नहीं है। रुबियो की ये बातें ऐसे समय में सामने आईं, जब अमेरिकी अधिकारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने अनाज और ऊर्जा से जुड़े सीमित युद्धविराम में रुचि दिखाई है, हालांकि इस तक पहुंचना मुश्किल होगा। रुबियो ने कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस विचार पर चर्चा की थी। मॉस्को में स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की बैठक में भी इस पर बात हुई थी। अगर वॉशिंगटन कोई रचनात्मक भूमिका निभा सकता है तो वह ऐसी व्यवस्था लाने में मदद करने को तैयार होगा। रुबियो ने कहा कि सीमित युद्धविराम से युद्ध खत्म नहीं होगा, लेकिन इसके व्यापक प्रभावों को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह एक व्यापक समझौते के लिए शुरुआती बिंदु हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर कोई मानता है कि यह युद्ध बातचीत के जरिए हुए समझौते से ही खत्म होगा। ' ऊर्जा पर हमले एक बड़ी बाधा हैं। रुबियो ने कहा कि यूक्रेन रूस की तेल और गैस सुविधाओं पर हमला कर रहा है, जिनसे मॉस्को को राजस्व मिलता है। उन्होंने कहा कि रूस सर्दियों के आने पर यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बना रहा है। इसलिए दोनों पक्ष ऊर्जा को अपने युद्ध के लक्ष्यों का हिस्सा मानते हैं। जी20 में अमेरिका, रूस, भारत और चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। इसके नेताओं की बैठकों में औपचारिक कार्यक्रम के अलावा बातचीत के मौके भी मिलते हैं।

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया। इस युद्ध का असर एनर्जी और फूड मार्केट पर पड़ा है, जिससे इन सेक्टरों पर हमलों को सीमित करने की कोशिशें दोनों देशों से कहीं ज्यादा अहम हो गई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)